Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 136 | गुरुवार, 21 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

विकास कार्यों में समयबद्धता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग की वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलाधिकारी, मंत्री एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में मानक, गुणवत्ता और समयबद्धता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास प्रस्ताव तैयार कर एक सप्ताह के अंदर भेजा जाए, जून के प्रथम सप्ताह में कार्ययोजना को शासन से स्वीकृति मिल जाएगी। इसके लिए जिलाधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करें और विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर अंतिम रूप दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं शिलान्यास संबंधित जनप्रतिनिधियों के कर कमलों से ही कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभागीय कमियों अथवा ठेकेदारों की गलतियों का दायित्व जनप्रतिनिधियों का नहीं है। विकास कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित समय में कार्यों को पूर्ण कराना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी और मजबूत अवस्थापना किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति की जीवनरेखा होती है। सड़क, पुल और संपर्क मार्ग केवल आवागमन के साधन

नहीं होते, बल्कि वे व्यापार, रोजगार और सामाजिक विकास को गति देने का माध्यम भी बनते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रस्ताव तैयार करते समय ह्लपिक एंड चूजह्व की प्रवृत्ति से बचा जाए और हर क्षेत्र की आवश्यकता को समान महत्व दिया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित प्रत्येक परियोजना के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो नियमित रूप से कार्य की प्रगति की निगरानी करे और गुणवत्ता सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष स्वीकृत परियोजनाओं की समीक्षा कर उनकी प्रगति रिपोर्ट समय पर शासन को भेजी जाए। साथ ही लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक जनपद में अलग से टीम भेजकर कार्यों का स्थलीय निरीक्षण और स्वतंत्र समीक्षा कराई जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने आपात परिस्थितियों के दृष्टिगत हेलीपैड निर्माण को भी आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा, स्वास्थ्य आपातकाल अथवा अन्य संकट की स्थिति में हेलीपैड अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। इसके मद्देनजर प्रत्येक ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय के निकट हेलीपैड बनाए जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि इनके रखरखाव की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग निभाए और इनके प्रयोग के लिए निर्धारित शुल्क व्यवस्था भी विकसित की जाए।

विपक्ष में दो फाड़? पीएम मोदी की तारीफ कर शरद पवार बोले- विदेशों में बढ़ा रहे भारत का मान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा में राजनीतिक मतभेदों को आड़े नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है, जबकि विपक्षी दल उनकी चल रही विदेश यात्रा की आलोचना कर रहे हैं। पवार की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस, के नेता घरेलू और वैश्विक चुनौतियों के दौर में मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठा रहे हैं। मंगलवार शाम एक कार्यक्रम में बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि राजनीतिक मतभेद भले ही मौजूद हों, लेकिन देश का सम्मान दलगत सीमाओं से ऊपर रहना चाहिए। पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है, तो राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। वरिष्ठ नेता ने इस बात पर जोर दिया कि जब भी राष्ट्रीय हित में सामूहिक रूप से काम करने का अवसर मिले, तो राजनीतिक दलों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के साझा उद्देश्य के साथ एकजुट होना चाहिए।

सड़क पर 'नमाज' पर योगी आदित्यनाथ को अखिलेश यादव का जवाब, 'जब सब काम रोड पर तो ये क्यों नहीं?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सड़कों पर नमाज पढ़ने के खिलाफ टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में ज्यादातर कार्यक्रम सड़कों पर ही होते हैं, क्योंकि जगह की कमी है, और ऐसे मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने लखनऊ में एक सभा में कहा कि किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए, क्योंकि संविधान हम सभी को समान अधिकार देता है। उत्तर प्रदेश में सभी कार्यक्रम सड़कों पर ही होते हैं, जिसमें हमारी यह प्रेस कॉन्फ्रेंस भी शामिल है। सरकार भी अपने कार्यक्रम सड़कों पर ही आयोजित करती है क्योंकि वे उचित व्यवस्था नहीं करते।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि लखनऊ को स्मार्ट सिटी कहा जाता है, फिर भी यहां यातायात धीमा चलता है। किसी के धर्म का अपमान और भेदभाव नहीं होना चाहिए। संविधान हम सभी को समान अधिकार देता है। संसद ने भाजपा पर भी हमला करते हुए दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी चाहती है कि लोग इस तरह की बहसों में उलझें। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी सड़कों का चौड़ीकरण चाहती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जानबूझकर ऐसे मुद्दे उठा रही है ताकि जनता का ध्यान वास्तविक समस्याओं से भटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि बहस जन मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए, लेकिन भाजपा इसे दूसरी दिशा में मोड़ना चाहती है। अखिलेश का यह जवाब योगी आदित्यनाथ की उस चेतावनी के बाद आया है जिसमें उन्होंने सड़कों पर नमाज पढ़ने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा था कि ऐसी धार्मिक प्रथाएं निर्धारित पूजा स्थलों पर बारी-बारी से अदा की जानी चाहिए। सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार नमाज या किसी भी अन्य धार्मिक गतिविधि के लिए सड़कों को अवरुद्ध नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा कि सड़कें आवागमन के लिए हैं, तमाशा करने के लिए नहीं। किसी को सड़क अवरुद्ध करने का क्या अधिकार है? लोगों को प्रार्थना करने के लिए अपने निर्धारित पूजा स्थलों पर जाना चाहिए। मुख्यमंत्री की ये टिप्पणियां ईद-उल-अधा से पहले आई हैं, जो 28 मई को मनाई जाएगी। आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने समुदाय को सलाह दी है कि यदि आवश्यक हो तो वे बारी-बारी से नमाज अदा करें। उन्होंने कहा कि यदि आपके घरों में सभी के लिए पर्याप्त जगह नहीं है, तो जनसंख्या नियंत्रण पर भी विचार किया जाना चाहिए।

केरल कैबिनेट का बंटवारा: सीएम सतीसन ने अपने पास रखे वित्त-कानून, चेन्निथला बने गृह मंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक भवन के अनुसार, केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशान ने बुधवार को अपनी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार में मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया, जिसमें वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और बंदरगाह सहित प्रमुख विभाग बरकरार रखे गए। नए मंत्रिमंडल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला को गृह एवं सतर्कता विभाग के साथ-साथ तीन अन्य महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता पी.के. कुन्हालीकुट्टी उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और वस्त्र सहित सात विभागों का कार्यभार संभालेंगे। केरल कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ को विद्युत एवं पर्यावरण विभाग सौंपा गया है, जबकि वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन को स्वास्थ्य एवं देवस्वम मंत्री बनाया गया है। रोजी एम. जॉन उच्च शिक्षा विभाग संभालेंगे, जबकि एपी अनिल कुमार को भूमि एवं राजस्व विभाग आवंटित किया गया है। वहीं, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के विधायक शिबू बेबी जॉन को वन एवं वन्यजीव संरक्षण एवं कौशल विकास विभाग सौंपा गया है। केरल कांग्रेस (जोसेफ) के विधायक मॉन्स

जोसेफ सिंचाई, भूजल, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता एवं आवास विभागों का कार्यभार संभालेंगे।

केरल कैबिनेट के सभी विभागों की पूरी सूची:

वी डी सतीशान: वित्त, विधि, सामान्य प्रशासन, बंदरगाह और 31 अन्य विभाग

रमेश चेन्निथला: गृह, सतर्कता और तीन अन्य विभाग

पी के कुन्हालीकुट्टी: उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, वस्त्र और चार अन्य विभाग

सनी जोसेफ: विद्युत और पर्यावरण

के मुरलीधरन: स्वास्थ्य और देवस्वम

रोजी एम जॉन: उच्च शिक्षा

ए पी अनिल कुमार: भूमि और राजस्व

शिबू बेबी जॉन: वन और वन्यजीव संरक्षण, कौशल विकास

मॉन्स जोसेफ: सिंचाई, भूजल और आवास

भोपाल की सड़कों पर उतरे पूर्व सैनिक, मेजर जनरल के नेतृत्व में जस्टिस की मांग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना के पूर्व मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त) के नेतृत्व में वर्दी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों ने बुधवार को भोपाल में बाइक रैली का आयोजन किया। यह रैली ट्विशा शर्मा की कथित दहेज हत्या मामले में पीड़िता के परिवार के प्रति एकजुटता व्यक्त करने और न्याय की मांग करने के लिए आयोजित की गई थी। सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्रीवास्तव ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य मामले के बारे में जागरूकता बढ़ाना और अन्याय का सामना कर रहे लोगों का समर्थन करना था। मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त) ने कहा कि हमारी रैली का कारण स्पष्ट है। हम सभी हाल ही में हुए मामले (ट्विशा शर्मा के कथित दहेज हत्या मामले का जिक्र करते हुए) से अवगत हैं और इसके अलावा, लोग 17 से 36 वर्ष की आयु तक सेना में सेवा करते हैं और जब वे वापस लौटते हैं, तो उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हमारे पास वर्दी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन नामक एक संस्था है, जो उनकी शिकायतों का समाधान करती है। यह रैली पीड़ितों के प्रति एकजुटता और समर्थन दिखाने के लिए आयोजित की गई है, और इस बात पर जोर देती है कि हम किसी भी अन्याय के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे। मामले से संबंधित विभिन्न आरोपों पर बोलते हुए, सेवानिवृत्त मेजर जनरल ने कहा कि अदालत इस मामले की सुनवाई करेगी और इस पर फैसला सुनाएगी। ट्विशा शर्मा मामले में पहले दिन से ही दूसरे पोस्टमार्टम की मांग उठ रही थी, क्योंकि पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कई खामियां थीं। अदालत इस मामले में लगे आरोपों पर फैसला सुनाएगी। ट्विशा शर्मा का परिवार कल हमारे साथ था, लेकिन आज की सुनवाई के कारण वे अभी हमारे साथ नहीं हैं। अगर उन्हें कार्यवाही से समय मिल जाता है तो वे बाद में हमारे साथ शामिल हो सकते हैं। गौरतलब है कि ट्विशा के भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर हैं और उन्होंने मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए पुलिस की प्रतिक्रिया और मामले में कथित दखल पर सवाल उठाए। हर्षित ने कहा कि हम यहां अदालत के फैसले पर चर्चा करने नहीं आए हैं, बल्कि प्रक्रिया पर सवाल उठाने आए हैं। पुलिस को पहली कॉल हमने की थी, उन्होंने नहीं। उन्होंने दावा किया कि वे जल्दी में थे और ट्विशा को बचाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन जो वीडियो सामने आया है, उसमें साफ दिख रहा है कि गिरबाला सिंह बहुत शांति से घूम रही हैं, सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे चल रही हैं जैसे उनके पास दुनिया का सारा समय हो। नोएडा निवासी 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा का विवाह दिसंबर 2025 में भोपाल निवासी समर्थ सिंह से हुआ था।

रायबरेली में गरजे राहुल गांधी, पीएम मोदी-शाह को बताया 'गद्दार'; बीजेपी बोली- यह पाकिस्तान की भाषा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करके एक बार फिर गरमागरम राजनीतिक बहस छेड़ दी है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को गद्दार करार दिया और उन पर देश के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आपके प्रधानमंत्री और गृह मंत्री गद्दार हैं। जब भी भाजपा-आरएसएस के लोग आपके सामने आकर नरेंद्र मोदी-अमित शाह के बारे में बात करें, तो उन्हें खुलकर बता दें। नरेंद्र मोदी-अमित शाह गद्दार हैं। भाजपा-आरएसएस गद्दार हैं, क्योंकि आपने मिलकर देश को बेच दिया है। भाजपा-आरएसएस ने संविधान, वीर पासी जी, गांधी जी और अंबेडकर जी पर हमला किया है। गांधी ने आगे कहा कि पेट्रोल और डीजल समेत रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे परिवारों पर भारी दबाव पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश का आम नागरिक भारी आर्थिक दबाव में है, लेकिन सरकार लोगों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है। कांग्रेस नेता ने यह भी चेतावनी दी कि भारत एक बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में एक भीषण आर्थिक तूफान आ गया है। अगले तीन से चार महीनों में आप महंगाई का ऐसा स्तर देखेंगे जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। देखिए आने वाले दिनों में पेट्रोल, धान और तेल की कीमतें कैसे बढ़ेंगी। राहुल गांधी के बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी सभी 140 करोड़ भारतीयों को गद्दार कह रहे हैं राहुल गांधी की भाषा पाकिस्तान और पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों की भाषा से मिलती-जुलती है, क्योंकि ऐसे बयान केवल वही दे सकते हैं।

कैबिनेट में एआईएडीएमके का कोई बागी नहीं, सीपीएम और वीसीके की चेतावनी के बीच टीवीके ने सहयोगियों को दिया आश्वासन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

तमिलनाडु। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) ने विजय के नेतृत्व वाली कैबिनेट में एआईएडीएमके के बागी नेताओं को शामिल करने के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट किया। यह घटना तमिलनाडु सीपीआई (एम) के सचिव पी. शनमुगम द्वारा जारी की गई कड़ी चेतावनी के एक दिन बाद हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर एआईएडीएमके के बागी नेताओं को सरकार में शामिल किया गया तो उनकी पार्टी टीवीके को समर्थन देने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगी। पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए तमिलनाडु के मंत्री आधव अर्जुन ने कहा कि एआईएडीएमके विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी जाएगी और इस संबंध में खबरें मात्र अटकलें हैं। गठबंधन के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर अर्जुन ने कहा कि टीवीके के नेतृत्व वाला गठबंधन बरकरार है और मुख्यमंत्री विजय जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार करेंगे। उन्होंने डीएमके पर तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए एआईएडीएमके के साथ गठबंधन करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना भी की। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री चाहते हैं कि मंत्रिमंडल एक परिवार की तरह काम करे। वे चाहते हैं कि जिन पार्टियों ने समर्थन दिया है, उन्हें मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिले डीएमके और एआईएडीएमके ने गठबंधन करने का प्रयास किया जो जनता के फैसले के खिलाफ था चुनाव के दौरान, डीएमके ने कहा था कि एआईएडीएमके भाजपा के नियंत्रण में है, लेकिन बाद में अपनी ही विचारधारा को भुलाकर एआईएडीएमके के साथ गठबंधन की बातचीत की। कांग्रेस और वामपंथी दल संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा के लिए एकजुट हुए। शनमुगम ने कहा कि सीपीआई (एम) और वीसीके ने संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया था कि अगर एआईएडीएमके के बागी सदस्यों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाता है तो वे टीवीके के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने विजय की सरकार को बाहर से समर्थन दिया है और वीसीके सरकार में शामिल होने या न होने का स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि अगर एआईएडीएमके तमिलनाडु मंत्रिमंडल में शामिल होती है, तो हम राज्य सरकार को समर्थन देने के अपने निर्णय पर पुनर्विचार करेंगे। इस स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। मंत्री आधव अर्जुन द्वारा टीवीके को सरकार में शामिल होने के निमंत्रण पर उन्होंने कहा हम, वामपंथी दलों और वीसीके ने संयुक्त रूप से बाहर से समर्थन देने का निर्णय लिया था। वीसीके के लिए वामपंथी दलों के समान रुख अपनाना आवश्यक नहीं है। अगर वीसीके को लगता है कि कोई अवसर आया है और वह इसका लाभ उठाना चाहती है, तो इसमें कोई बुराई नहीं है।

ट्रेनों में आग कौन लगा रहा? हावड़ा हादसे के बाद रेलवे ने खोला राज, बड़ी साजिश का शक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने बुधवार को दावा किया कि हाल ही में हुई ट्रेन में आग लगने की घटनाएं तोड़फोड़ का नतीजा थीं और जांच में कई मामलों में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता का संकेत मिला है। रेलवे मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आज हावड़ा में खड़ी मिथिला एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगने की सूचना मिलने पर जांच की गई, जिसमें पेट्रोल में भीगा हुआ आधा जला हुआ कपड़ा बरामद हुआ... रेलवे कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को तुरंत नियंत्रण में कर लिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। रेलवे की ओर से आगे कहा गया है कि प्रारंभिक परिस्थितियों से संकेत मिलता है कि कुछ असामाजिक तत्व यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालने और रेलवे प्रणाली में भय और अव्यवस्था फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और संबंधित एजेंसियां इन सभी मामलों की गहन जांच कर रही हैं। रेलवे ने अमरपुरा, कोटा, सासाराम और हावड़ा में हुई चार आग की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि वे इन घटनाओं को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं और रेलवे सुरक्षा बल प्रत्येक मामले में विस्तृत जांच कर रहा है। अमरपुरा में बिस्तर की चादरों में कथित तौर पर आग लगा दी गई, जबकि हावड़ा में अधिकारियों ने एक कोच के बाथरूम से पेट्रोल से भीगा हुआ कपड़ा बरामद किया। कोटा में एक अन्य घटना में, राजधानी एक्सप्रेस के वॉशरूम क्षेत्र से आग की लपटें निकलती देखी गईं। इसी बीच, सासाराम में एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर खाली डिब्बे में जलती हुई वस्तु फेंकी।

संपादक की कलम से

विकास के साथ प्रकृति के विनाश की पटकथा लिख रहा मानव

आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी फल स्वरुप हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जीतनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं।

ललित शर्मा
संपादक

मौत है अन्तिम पायदान

उदय किशोर साह

कविता

क्यूँ है जीवन पे हमको तुमको गुमान
मौत है जिसकी आखिरी पायदान
चूर हो जायेगा धन बल का अममान
पल दो पल का है तेरी मेरी। ये जहान

मर जाने के लिये ये तन जीवन है पाया
सुख दु :ख का है सबपे बना ये साया
जानकर भी क्यूँ कोई बनता है अनजान
एक दिन हो जाना है इस जग से गुमनाम

सूरज पूरब से आता शाम ढल छुप जाता
आने जाने का शाश्वत संदेशा दे जतलाता
किसी की नहीं है ये धरा ये बना तेरा धाम
मौत जब आती है कोई नहीं आता है काम

ना ये सब तेरा है ना ही ये . सब है। मेरा
ये महल ये अटारी कुछ् . पल का है डेरा
मोह माया से बँध गई है ये माया जहान
रूला कर चला जायेगा कभी तेरा नाम

ईष्या द्वेष है इस जीवन का एक फसाना
वैमनस्यता बन गई है इस जीवन का पैमाना
देख लो कभी आकर ये निर्जन कब्रिस्तान
जहाँ पे सोया है चिर निद्रा में मौन वो इन्सान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

क्या है भारत में विद्या व विद्यार्थियों का भविष्य

निर्मल रानी
लेखिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारा देश से की जा रही 'मन की बात' के 131वें एपिसोड में गत 22 फरवरी 2026 को छात्रों से 'परीक्षा पे चर्चा' की थी। अपने इस संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने छात्रों को दिये गये 'उपदेशों' में कहा कि 'अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती। शिक्षा जीवन को संवारने का एक माध्यम है, जबकि परीक्षा केवल आत्म-मूल्यांकन का जरिया है।' उन्होंने छात्रों से परीक्षा को किसी बड़े बोझ या हौवे के रूप में देखने के बजाय इसे एक उत्सव की तरह मनाने की अपील की थी । पढ़ाई, आराम, शारीरिक खेलकूद और अपने शौक के बीच एक सही संतुलन बनाने को जरूरी बताया था। मोदी ने छात्रों को सलाह दी थी कि कुछ छात्र रात में पढ़ना पसंद करते हैं तो कुछ सुबह जल्दी, अपनी इसी मूल शैली पर विश्वास रखें। उन्होंने छात्रों को यह सलाह भी दी कि वे अपने मन की चिंताओं को अपने माता-पिता और परिवार के साथ खुलकर साझा करें, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। अभिभावकों को सलाह देते हुये उन्होंने कहा था कि माता-पिता को बच्चों पर उनकी इच्छा के विरुद्ध विशिष्ट करियर चुनने का दबाव नहीं बनाना चाहिए। हर बच्चा अपने आप में अनूठा होता है। इसी तरह उन्होंने शिक्षकों को भी सलाह दी कि उन्हें छात्रों की सीखने की गति को समझना चाहिए और उनके लिए ऐसे लक्ष्य तय करने चाहिए जो पहुंच में हों लेकिन जिन्हें प्राप्त करने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़े।

प्रधानमंत्री के उपरोक्त कथन में यह बात पूरी तरह विरोधाभासी है कि 'अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती।' क्योंकि आज के दौर में एडमिशन,वरीयता सूची,श्रेणी निर्धारण,चयन आदि हर जगह अंक प्रतिशत की ही होड़ लगी हुई है। परन्तु प्रधानमंत्री ने इन्हीं छात्रों को कभी यह नहीं बताया कि यदि आपकी जी तोड़ मेहनतों के बाद परीक्षा के पर्चे लीक हो जायें व परीक्षा ही स्थगित कर दी जाये तो आखिर छात्रों को ऐसे सदमे से कैसे उबरना चाहिये। और जो छात्र इस कुप्रबंधन का शिकार होकर किसी कारणवश पुनः परीक्षा में बैठने योग्य न रह सके और इसी कारण उसका जीवन व भविष्य चौपट हो जाये उस छात्र को उसके अभिभावकों को या फिर सरकार अथवा इस दुर्व्यवस्था के जिम्मेदारों को क्या करना चाहिये ? हालाँकि प्रधानमंत्री मोदी पेपर लीक के मुद्दे पर जुलाई 2024 में संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अपना आधिकारिक बयान दे चुके है।

उन्होंने संसद में देश के हर छात्र और नौजवान को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि सरकार परीक्षाओं में होने वाली ऐसी गड़बड़ियों और पेपर लीक को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी आरोपी या माफिया को कतई बख़्शा नहीं जाएगा और उन्हें सख़्त से सख़्त सजा दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रणाली और पूरे सिस्टम को पुख़्ता व पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा युद्ध स्तर कदम उठाने की बात कही थी।

परन्तु आश्चर्य की बात तो यह है कि प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद भी पेपर लीक की घटना समाप्त नहीं हुई है। अभी इसी मई 2026 में आयोजित हुई नीट परीक्षा को पेपर लीक विवादों और धांधली की शिकायतों के बाद सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया है और अब इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। इस परीक्षा में 22,05,035 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। आज इन 22 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है।

पेपर लीक और उसे रद्द किए जाने से उपजे मानसिक तनाव के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों से कम से कम 4 छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की दुखद खबरें सामने आई हैं। इनमें एक छात्र प्रदीप मेघवाल (उम्र 22 वर्ष) राजस्थान के झुंझुनूं जिले का था जबकि ऋतिक मिश्रा (उम्र 21 वर्ष) उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का निवासी था। यह ऋतिक का नीट परीक्षा का तीसरा प्रयास था और वे इस बार चयन को लेकर बेहद आश्वस्त था। परीक्षा रद्द होने की खबर से वह मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गया था। इसी तरह 20 वर्षीया अंशिका दिल्ली के आजादपुर (आदर्श नगर) इलाके की रहने वाली थी। जबकि 17 वर्षीय सिद्धांत हेगड़े दक्षिण गोवा के कर्टोरिम का रहने वाला था। हेगड़े पेपर लीक की घटना से इतना आहत था कि उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि वह अब और प्रतियोगी परीक्षाएं नहीं देना चाहता।

एक तरफ तो नीट पेपर लीक के चलते 22 लाख से अधिक मेधावी छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है साथ ही देश में गत 10 वर्षों के दौरान भारत में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। तो दूसरी तरफ लाखों रुपए खर्च कर अयोग्य व निठल्ले लोग डॉक्टर्स की फर्जी डिग्री लेकर मरीजों की जान से खिलवाड़ करते फिर रहे हैं। पिछले दिनों भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के दमोह जिले से पुलिस ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे सरकारी संजीवनी क्लीनिकों में टइइर की फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहे 3 नकली डॉक्टरों को गिरफ़्तार किया। ग्वालियर निवासी कुमार सानू शाक्य, देवेंद्र चौधरी और जबलपुर के पल्लव जैन ने गिरफ़्तारी के बाद पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी टइइर की डिग्रियां और मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट 8,00,000 से 10,00,000 तक में खरीदे थे। दमोह के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जब दस्तावेजों का वेरिफिकेशन कराया गया, तो डिग्री और रजिस्ट्रेशन नंबर पूरी तरह फर्जी पाए गए।

सवाल यह है कि जब नीट जैसी अति महत्वपूर्ण परीक्षा के इतिहास में अब तक 5 बार बड़े स्तर पर पेपर लीक और धांधली के गंभीर मामले सामने आ चुके हों जिनकी आधिकारिक जांच या अदालती कार्यवाही भी हुई हो।

इसके अतिरिक्त पिछले कुछ वर्षों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हों जिससे करोड़ों मेघावी छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है उधर 8 - 10 लाख रुपये में डॉक्टरी की डिग्री हासिल की जा रही हो ऐसे में भारत में विद्या व विद्यार्थियों के भविष्य के बारे में आसानी से सोचा जा सकता है।

सिस्टम का सच: ईमानदार नागरिक क्यों बनता जा रहा है सबसे कमजोर वर्ग?

एन0के0शर्मा
लेखक

जब कोई समाज इस मोड़ पर पहुंच जाता है जहाँ ईमानदारी एक गुण नहीं, बल्कि एक बोझ बन जाती है—वहाँ समस्या व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की होती है। ह्लसिस्टम का सचह्व दरअसल किसी एक संस्था या सरकार का सच नहीं, बल्कि उस पूरे ढांचे का प्रतिबिंब है जिसमें नियमों का पालन करने वाला व्यक्ति सबसे अधिक दंडित होता है, और नियमों को तोड़ने वाला सबसे अधिक लाभ में रहता है। आज का ईमानदार नागरिक एक विचित्र द्वंद्व में जी रहा है। उसे बचपन से सिखाया गया—सच बोलो, नियमों का पालन करो, मेहनत करो, दूसरों का हक मत मारो। लेकिन जैसे-जैसे वह वास्तविक दुनिया में प्रवेश करता है, उसे एक कटु सत्य का सामना करना पड़ता है: इस सिस्टम में ईमानदारी कोई सुरक्षा कवच नहीं, बल्कि एक खुला निशाना है। जिस व्यक्ति ने टैक्स समय पर भरा, वही सबसे ज्यादा जांच के दायरे में आता है। जो नियमों का पालन करता है, वही सबसे ज्यादा कागजी कार्यवाही और बाधाओं में उलझता है। और जो व्यक्ति हर नियम को तोड़कर, हर व्यवस्था को मोड़कर आगे बढ़ता है, वह अक्सर ह्लस्मार्टह्व, ह्लप्रभावशालीह्व और ह्लसफलह्व कहलाता है। यह विडंबना केवल आर्थिक या प्रशासनिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानसिक संरचना तक गहराई से जड़ें जमा चुकी है। सिस्टम की सबसे खतरनाक विशेषता यह है कि यह धीरे-धीरे ईमानदार व्यक्ति को हतोत्साहित करता है और बेईमानी को एक ह्लव्यावहारिक विकल्पह्व के रूप में प्रस्तुत करता है। जब एक व्यक्ति बार-बार यह देखता है कि सत्यनिष्ठा उसे केवल नुकसान ही दे रही है—न अवसर, न सम्मान, न सुरक्षा—तो उसके भीतर एक मौन विद्रोह जन्म लेता है। यह विद्रोह कभी-कभी उसे भी उसी रास्ते पर ले जाता है, जिसे वह पहले गलत मानता था। यहीं से समाज का नैतिक पतन शुरू होता है—धीरे-धीरे, बिना शोर के, बिना किसी क्रांति के। क्योंकि जब ईमानदार व्यक्ति ही टूटने लगे, तो फिर बचता ही क्या है? यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी खतरनाक संकेत देती है। एक ऐसा समाज जहाँ ईमानदार नागरिक सबसे कमजोर हो जाए, वहाँ विश्वास की नींव दरकने लगती है। और जब विश्वास टूटता है, तो केवल संस्थाएँ नहीं, बल्कि पूरी सभ्यता अस्थिर हो जाती है। आप देखें तो पाएंगे कि आज का ईमानदार नागरिक केवल आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी सबसे अधिक दबाव में है। उसे हर मोड़ पर यह सिद्ध करना पड़ता है कि वह ह्लमूर्खह्व नहीं है, जबकि उसका अपराध केवल इतना है कि उसने नियमों का पालन किया। यह एक ऐसी मानसिक यातना है, जो धीरे-धीरे आत्मविश्वास को खा जाती है और व्यक्ति को भीतर से खोखला कर देती है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि सिस्टम गलत क्यों है, बल्कि यह है कि सिस्टम को ऐसा बनने किसने दिया? जवाब असहज है—हम सबने। जब समाज ने छोटी-छोटी बेईमानियों को ह्लचलता हैह्व कहकर स्वीकार किया, जब हमने नियम तोड़ने वालों को चतुर और नियम मानने वालों को कमजोर कहा, तब हमने अनजाने में इस विकृत सिस्टम की नींव रख दी। सिस्टम कोई बाहरी शक्ति नहीं है; यह हमारे सामूहिक व्यवहार का परिणाम है। और जब सामूहिक व्यवहार में नैतिकता कमजोर पड़ती है, तो सिस्टम उसी का प्रतिबिंब बन जाता है। लेकिन इस अंधेरे में एक और सच्चाई छिपी है—ईमानदार नागरिक की कमजोरी ही उसकी सबसे बड़ी ताकत भी हो सकती है, अगर वह अकेला न रहे। समस्या यह है कि ईमानदार लोग बिखरे हुए हैं, चुप हैं, और अक्सर अपने संघर्ष को व्यक्तिगत मान लेते हैं। जबकि यह संघर्ष व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक है। यदि ईमानदारी को फिर से शक्ति बनाना है, तो उसे व्यक्तिगत गुण से उठाकर सामूहिक मूल्य बनाना होगा। जब तक ईमानदार व्यक्ति अकेला खड़ा रहेगा, वह कमजोर रहेगा। लेकिन जिस दिन वह एक समुदाय, एक आवाज, एक चेतना बन जाएगा—उस दिन सिस्टम को झुकना पड़ेगा। यह बदलाव आसान नहीं है, क्योंकि यह केवल नीतियों का नहीं, बल्कि मानसिकता का परिवर्तन है। और मानसिकता बदलने में समय लगता है, संघर्ष लगता है, और सबसे अधिक—साहस लगता है।

अंततः, यह सवाल हर व्यक्ति के सामने खड़ा है: क्या हम उस सिस्टम का हिस्सा बने रहना चाहते हैं जो ईमानदारी को सजा देता है, या हम उस बदलाव का हिस्सा बनना चाहते हैं जो ईमानदारी को फिर से सम्मान और शक्ति दे सके? क्योंकि सच यह है—सिस्टम उतना ही भ्रष्ट या न्यायपूर्ण होता है, जितना उसे बनाने वाले लोग होते हैं। और जब ईमानदार नागरिक अपनी ही ईमानदारी पर शर्मिंदा होने लगे, तो यह केवल एक व्यक्ति की हार नहीं होती—यह पूरे समाज की हार होती है।

एक दशक में चारधाम यात्रा में लगभग 1300 लोगों की मौत

स्नेहा सिंह
लेखिका

देश में सनातन धर्म के प्रतीक के रूप में अत्यंत पवित्र मानी जाने वाली चारधाम यात्रा जारी है। पिछले महीने की 19 तारीख को इस यात्रा की शुरूआत हुई थी। इस यात्रा को एक महीना पूरा हो चुका है। अब तक लाखों यात्री और श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। इस यात्रा की सबसे दुखद स्थिति यह सामने आई है कि यह पवित्र यात्रा शुरू होने के केवल एक महीने के भीतर ही 55 लोगों की वहां मौत हो चुकी है। जानकारों के अनुसार ज्यादातर लोगों की मौत स्वास्थ्य कारणों से हुई है, जबकि कुछ मामलों में दुर्घटना या गैरजिम्मेदारी सामने आई है। खासकर हृदय रोग और सांस की समस्या वाले लोगों का मृतकों में अधिक समावेश है। चिंताजनक बात यह है कि अभी तो केवल एक महीने की यात्रा हुई है और उसमें ही 55 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी यात्रा आगे भी जारी रहेगी और यदि यह आंकड़ा बढ़ता है तो यह देश के लिए चिंता का विषय होगा। इसका बड़ा कारण यह है कि पिछले एक दशक यानी 2016 से अब तक लगभग 1300 से अधिक लोगों की मौत चारधाम यात्रा के दौरान हो चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार ऊंचाई में अचानक होने वाला परिवर्तन हृदय रोग और सांस संबंधी बीमारी वाले लोगों के लिए जानलेवा बन जाता है। कोरोनाकाल के बाद चारधाम यात्रा के दौरान मौतों के मामलों में वृद्धि हुई है। खासकर 2022 से यह आंकड़ा लगातार बढ़ता गया है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े देखें तो 2025 में सबसे कम 83 लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 2024 में 246 लोगों की मौत हुई थी। 2023 में 149 लोगों की जबकि 2022 में 311 लोगों की मौत चारधाम यात्रा के दौरान हुई थी। 2020-2021 में कोरोना के कारण आंकड़ा अधिक सामने नहीं आया था, क्योंकि सीमित संख्या में लोग यात्रा पर जा सके थे।

उससे पहले 2019 में 90 यात्रियों, 2018 में 106, 2017 में 112 और 2016 में केवल 39 यात्रियों की चारधाम यात्रा के दौरान मौत हुई थी। हाल के वर्ष में केवल एक महीने के भीतर 55 लोगों की मौत होने के कारण लोगों में चिंता की स्थिति है। इस वर्ष अब तक सबसे अधिक 30 लोगों की मौत केदारनाथ के रास्ते में हुई है। 10 श्रद्धालुओं की बद्रीनाथ जाते समय जबकि यमुनोत्री और गंगोत्री धाम जाते समय क्रमशः 8 और 7 यात्रियों की मौत हुई थी। जानकारों के अनुसार चारधाम यात्रा में सबसे अधिक मौतों के पीछे स्वास्थ्य कारण जिम्मेदार हैं। 75 प्रतिशत मौतों के लिए पहले से मौजूद हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पल्मोनरी एडिमा जैसी बीमारियां अधिक प्रभाव डालने वाले कारण थे। उल्लेखनीय है कि ऐसे मामले हर वर्ष सामने आते हैं और हर वर्ष लाखों लोग चारधाम यात्रा के लिए जाते हैं। यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा के दौरान पंजीकरण अनिवार्य होता है। इस पंजीकरण के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देनी होती है। स्वास्थ्य प्रमाणपत्र भी जमा करवाने होते हैं। यह यात्रा हाई एल्टीट्यूड पर होने के कारण लोगों को शारीरिक समस्याएं होती ही हैं। इसी कारण हृदय रोग और सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों को यह यात्रा न करने की सलाह दी जाती है। लोगों की गैरजिम्मेदारी और प्रशासन की लापरवाही के कारण हर वर्ष कई श्रद्धालु अपनी जान गंवाते हैं। उत्तराखंड में स्थित चारधाम हाई एल्टीट्यूड वाला क्षेत्र माना जाता है। यहां का वातावरण अत्यंत ठंडा और बर्फ से ढका रहता है। यहां गर्मी के मौसम में भी पर्वतों की चोटियों पर बर्फ जमी रहती है। इसके कारण जो सामान्य लोग रोजमर्रा में लो एल्टीट्यूड वाले क्षेत्रों में रहते हैं, उन्हें अचानक यहां आने पर समस्याएं होती हैं। जिनका हृदय मजबूत हो और फेफड़े सक्षम हों वही लोग यहां आ सकते हैं। वृद्ध, बीमार तथा हृदय और फेफड़ों की बीमारी से ग्रस्त लोगों के लिए यह स्थान अत्यंत जोखिमपूर्ण है। स्थिति ऐसी हो जाती है कि जब अधिक ऊंचाई पर जाया जाता है तो हवा पतली हो जाती है, उसमें ऑक्सीजन का स्तर कम होता है और इसके कारण फेफड़ों को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। शरीर को कम आक्सीजन मिलती है। इसके कारण फेफड़ों और हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है। जानकारों का मानना है कि किसी भी हाई एल्टीट्यूड क्षेत्र में जाने से पहले अन्य किसी स्थान पर पर्वतारोहण का अनुभव लेना चाहिए। चारधाम यात्रा के दौरान चलने की गति धीमी रखनी चाहिए। एक ही दिन में कम ऊंचाई वाले क्षेत्र से सीधे 9000 फुट की ऊंचाई तक नहीं पहुंचना चाहिए। इससे समस्या अधिक बढ़ जाती है। एक बार 9000 फुट की ऊंचाई पर पहुंचकर आराम करना चाहिए। वहां रुककर शरीर को अनुकूल होने देना चाहिए। उसके बाद अगले दिन केवल 1600 फुट और ऊपर जाकर वहां रात बिताकर आराम का अनुभव करना चाहिए। हर 3300 से 3500 फुट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद शरीर को अनुकूल होने देने की सावधानी रखनी चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जिन लोगों को हृदय संबंधी समस्याएं होती हैं, उन्हें ऐसे स्थानों पर अधिक परेशानी होती है और हृदय को अत्यधिक मेहनत करनी पड़ती है। हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों को भी ऐसे स्थानों पर जाने से हृदय की धड़कन बढ़ना और रक्तचाप बढ़ने जैसी समस्याएं होती हैं। खासकर रात के समय ऐसी समस्याएं अधिक होती हैं। जानकारों का मानना है कि हाई एल्टीट्यूड क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का हृदय प्राकृतिक रूप से मजबूत होता है। उन्हें हार्ट अटैक जैसी समस्याएं बहुत कम होती हैं और उनका औसत जीवन भी लंबा होता है। जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग से पीड़ित लोगों के लिए यहां जाना अत्यंत जोखिमपूर्ण हो सकता है। कई मामलों में यह जानलेवा साबित होता है। अध्ययन के अनुसार 10,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर जाने वाले लोगों को अधिक खतरा रहता है। उन्हें सीने में दर्द, थकान, चक्कर आना, सांस लेने में कठिनाई और सिर में तेज दर्द जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे लोगों को समय-समय पर पानी पीते रहना चाहिए। उन्हें अपनी शारीरिक जांच पहले ही करवा लेनी चाहिए। सबसे पहले उन्हें हाई एल्टीट्यूड क्षेत्रों में जाने से पहले लो एल्टीट्यूड और मिडिल एल्टीट्यूड वाले क्षेत्रों में रुककर उसका अभ्यास कर लेना चाहिए। पर्याप्त आराम करना, शरीर में पानी की कमी न होने देना तथा श्वसन प्रक्रिया पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हृदय रोग और ब्लड प्रेशर की दवाइयां अपने साथ रखनी चाहिए तथा डॉक्टरों के लगातार संपर्क में रहना चाहिए। 4500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र हाई एल्टीट्यूड में आते हैं, खास बात यह है कि समुद्र तट से 6560 फुट तक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों को लो एल्टीट्यूड कहा जाता है। 6560 से 9840 फुट तक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों को मिडियम एल्टीट्यूड कहा जाता है। समुद्र तल से 9840 फुट से अधिक ऊंचाई वाले सभी स्थानों को हाई एल्टीट्यूड कहा जाता है। यहां शारीरिक समस्याओं का अनुभव होता है। भारत में हाई एल्टीट्यूड के तीन चरण निर्धारित किए गए हैं। यहां 9000 फुट से ऊपर के क्षेत्रों को हाई एल्टीट्यूड कहा जाता है। इसमें पहले चरण में 9000 से 12,000 फुट तक के क्षेत्र आते हैं। दूसरे चरण में 12,000 से 15,000 फुट तक के और तीसरे चरण में 15,000 फुट से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र आते हैं। चारधाम यात्रा के दौरान लगभग 15,000 फुट (4500 मीटर) तक की चढ़ाई करनी पड़ती है। चारधाम यात्रा में गढ़वाल हिमालय की ऊंचाई अधिक है। इसलिए इसे हाई एल्टीट्यूड वाला क्षेत्र कहा जाता है। भारतीय सेना द्वारा भी इन क्षेत्रों को हाई एल्टीट्यूड घोषित किया गया है। यमुनोत्री की ऊंचाई 3291 मीटर, गंगोत्री की ऊंचाई 3415 मीटर, केदारनाथ की ऊंचाई 3553 मीटर और बद्रीनाथ की ऊंचाई 3300 मीटर है। औसतन केदारनाथ और गंगोत्री के लिए क्रमशः 11,700 और 10,200 फुट की ऊंचाई तक जाना पड़ता है। यहां तापमान अत्यंत ठंडा रहता है। बार-बार तेज हवाएं चलती हैं और बारिश होती रहती है। वायुदाब कम होता है। हवा में आक्सीजन का स्तर भी कम होता है।

सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज,हापुड़ में पहली बार सफलतापूर्वक हुई सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट फिक्सेशन सर्जरी

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के पिलखुवा क्षेत्र के गांव अनवरपुर के स्थित सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ ने उन्नत स्त्री रोग शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पोस्ट-हिस्टेरेक्टॉमी वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स के उपचार हेतु पहली बार सफलतापूर्वक सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट फिक्सेशन (SSLF) सर्जरी की है। यह जटिल एवं अत्याधुनिक सर्जरी प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा देवान एवं उनकी समर्पित सर्जिकल टीम के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न की गई।यह उपलब्धि संस्थान की उन्नत पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में बढ़ती विशेषज्ञता को दशार्ती है तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। 46 वर्षीय मरीज श्रीमती राजबाला अस्पताल में गंभीर वैजाइनल उभार, असुविधा, दैनिक कार्यों में कठिनाई तथा थर्ड-डिग्री वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स से संबंधित लक्षणों की शिकायत लेकर पहुंचीं। लगभग 15 वर्ष पूर्व उनका एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी ऑपरेशन हुआ था,

जिसके बाद धीरे-धीरे उन्हें वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स एवं पेल्विक फ्लोर की कमजोरी की समस्या विकसित हो गई। इस स्थिति का उनके शारीरिक आराम, गतिशीलता, आत्मविश्वास एवं जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा था। विस्तृत चिकित्सीय परीक्षण, पेल्विक मूल्यांकन एवं आवश्यक प्री-ऑपरेटिव जांचों के बाद मरीज को डिफिनिटिव पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के लिए तैयार किया गया। यह प्रक्रिया संयुक्त स्पाइनल एवं एपिड्यूरल एनेस्थीसिया के अंतर्गत सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं पेरिऑपरेटिव तैयारियों के साथ संपन्न की गई।

सर्जरी के दौरान अत्यंत सावधानीपूर्वक पेल्विक डिसेक्शन कर सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट की पहचान की गई, जो पेल्विस में स्थित एक मजबूत फाइब्रस संरचना है और वैजाइनल सस्पेंशन प्रक्रियाओं में स्थायी सहारा प्रदान करती है। इसके बाद वैजाइनल वॉल्ट को इस लिगामेंट से सावधानीपूर्वक जोड़कर सामान्य पेल्विक संरचना एवं सपोर्ट को पुनर्स्थापित किया गया।इसके अतिरिक्त मरीज में सिस्टोसील एवं रेक्टोसील की समस्या भी पाई गई, जो अग्र एवं पश्च वैजाइनल वॉल की कमजोरी को दशार्ती है। सभी पेल्विक फ्लोर दोषों को समग्र रूप से ठीक करने के लिए एंटीरियर कोल्पोरैफी के द्वारा सिस्टोसील की मरम्मत एवं अग्र भाग को मजबूत किया गया, जबकि पोस्टीरियर कोल्पोपेरिनियोरैफी के द्वारा रेक्टोसील को ठीक कर कमजोर पेरिनियल बॉडी का पुनर्निर्माण किया गया। सर्जरी बिना किसी इंट्रा-ऑपरेटिव अथवा पोस्ट-ऑपरेटिव जटिलता के सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। उपयुक्त पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल एवं निगरानी के बाद मरीज को स्थिर अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया।दो सप्ताह बाद फॉलो-अप जांच में मरीज में उत्कृष्ट शारीरिक एवं लक्षणात्मक सुधार देखा गया। चिकित्सीय परीक्षण में वैजाइनल वॉल्ट अच्छी स्थिति में पाया गया तथा पेल्विक सपोर्ट एवं वैजाइनल लंबाई सामान्य रूप से पुनर्स्थापित रही। मरीज ने असुविधा में उल्लेखनीय राहत एवं दैनिक जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार की जानकारी दी। स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष डॉक्टर परिधि गर्ग ने बताया कि सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट फिक्सेशन पोस्ट-हिस्टेरेक्टॉमी वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स के उपचार के लिए सबसे प्रभावी वैजाइनल सर्जरी में से एक मानी जाती है, विशेष रूप से रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं एवं पूर्व में हिस्टेरेक्टॉमी करा चुकी मरीजों में। यह प्रक्रिया बिना बड़े पेट के ऑपरेशन के पेल्विक सपोर्ट को पुनर्स्थापित करती है, जिससे मरीज को शीघ्र रिकवरी, कम जटिलताएं एवं दीर्घकालिक उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त होते हैं।यह सफल सर्जरी सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स के उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति है तथा संस्थान की उन्नत यूरोगायनेकोलॉजिकल एवं पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव प्रक्रियाएं स्थानीय स्तर पर सफलतापूर्वक करने की क्षमता को प्रदर्शित करती है। इससे मरीजों को विशेष उपचार के लिए महानगरों की यात्रा करने की आवश्यकता भी कम होगी।संस्थान प्रबंधन ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए संपूर्ण स्त्री रोग विभाग को बधाई देते हुए समुदाय को उन्नत एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उनके समर्पण की सराहना की।सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन एवं संस्थापक डॉ. जे. रामचंद्रन ने चिकित्सा टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की उन्नत सर्जिकल विशेषज्ञता संस्थान को उत्कृष्ट रोगी देखभाल, शिक्षा, नवाचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की वाइस चेयरपर्सन रम्या रामचंद्रन ने भी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां संस्थान द्वारा आधुनिक चिकित्सा तकनीकों एवं विशेष उपचार पद्धतियों को अपनाने की निरंतर प्रगति को दशार्ती हैं।इस उपलब्धि की सराहना वरिष्ठ प्रबंधन टीम के द्वारा भी की गई, जिसमें डॉ. बरखा गुप्ता, प्राचार्य, ब्रिगेडियर डॉ. आर.के.सहगल, सीनियर एडवाइजर, एन.वर्धराजन, जनरल मैनेजर, रघुवर दत्त, डायरेक्टर एवं डॉ. मेजर जनरल चरणजीत सिंह अहलूवालिया शामिल रहे। सभी ने स्त्री रोग विभाग द्वारा इस उन्नत पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करने एवं क्षेत्र में महिला स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने हेतु टीम की सराहना की।सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज प्रशासन ने पुनः अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि संस्थान विभिन्न विशेषज्ञताओं में उन्नत सर्जिकल प्रक्रियाओं एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर अपनाता रहेगा, ताकि समाज को उच्च गुणवत्ता वाली, सुलभ एवं रोगी-केंद्रित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

गर्मी में बिजली संकट से फूटा गुस्सा, ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर बदलने की उठाई मांग

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत पूरनपुर के सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र स्थित गोरा गांव में लंबे समय से बनी बिजली समस्या को लेकर ग्रामीणों ने आवाज बुलंद की। गांव में लगे कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर के बार-बार खराब होने से उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। भीषण गर्मी के बीच घंटों बिजली गुल रहने से घरेलू कामकाज के साथ बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी।समस्या से परेशान ग्रामीणों को साथ लेकर समाजसेवी कुतुब उर रहमान कुरैया विद्युत उपकेंद्र पहुंचे और जूनियर इंजीनियर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि गांव में लगा 63 केवीए ट्रांसफार्मर वर्तमान जरूरतों के मुकाबले बेहद कम क्षमता का है, जिस कारण वह लगातार खराब हो रहा है और कई दिनों तक आपूर्ति बाधित रहती है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभाग से कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया गया। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ज्ञापन में गांव में उच्च क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की गई, ताकि भविष्य में बिजली संकट से राहत मिल सके। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जेई ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मौजूदा 63 केवीए ट्रांसफार्मर की जगह 250 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग अगले दो दिनों के भीतर यह कार्य पूरा कराने का प्रयास करेगा। इस दौरान हातिम खां, उस्मान मोहम्मद, जहीरुल हसन, समीर खां, अनीस खां, आरिफ खां समेत बड़ी संख्या

थाना बीसलपुर पुलिस द्वारा फायरिंग करने वाले 03 अभियुक्तों को अवैध शस्त्रों व कारतूस सहित किया गिरफ्तार

लुकमान खान

पीलीभीत/बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। पीड़ित लेखराज पुत्र बाबूराम निवासी ग्राम ढकिया महक ने 18 मई 2026 को थाना बीसलपुर पीलीभीत ने थाना बीसलपुर पुलिस को लिखित तहरीर देकर सूचना दी गयी कि अभियुक्तगण लाल सिंह उर्फ छोटू, मान सिंह व ओमपाल उर्फ उपदेश द्वारा पीड़ित के साथ मारपीट, गाली गलौज करने व जान से मारने की नियत से तमंचे से फायर किया गया। प्रकरण में प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्काल ओमपाल आदि 03 नफर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया।

वहीं पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए जाने एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 19.मई .2026 को थाना बीसलपुर पुलिस टीम द्वारा थाना

बीसलपुर पर पंजीकृत मुकदमे में त्वरित कार्यवाही करते हुए 03 वांछित अभियुक्तगण-लाल सिहं उर्फ छोटू पुत्र राजेन्द्र प्रसाद और -मान सिंह पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासीगण ग्राम सिमरा अकबरगंज थाना बीसलपुर जनपद पीलीभीत तथा ओमपाल उर्फ उपदेश पुत्र शिवशंकर दयाल निवासी ग्राम ढकिया महक थाना बीसलपुर जनपद पीलीभीत को ग्राम उल्लिका पुलिया के निकट से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त लाल सिंह उर्फ छोटू के कब्जे से एक अदद अवैध देशी तमंचा 315 बोर एवं एक अदद खोखा कारतूस व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर व अभियुक्त मान सिंह के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर तथा अभियुक्त ओमपाल उर्फ उपदेश के कब्जे से एक अदद डण्डा (घटना के दौरान प्रयुक्त) बरामद हुआ। अभियुक्तगण के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही कर मा.न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

बेरोजगार युवक/युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु ऋण बैंको के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। वर्ष 2026-27 हेतु मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र पीलीभीत द्वारा बेरोजगार एवं हाईस्कूल उत्तीर्ण युवक/युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु (उद्योग क्षेत्र अधिकतम रू. 25 लाख एवं सेवा क्षेत्र हेतु अधिकतम 10 लाख तक) ऋण बैंको के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है, जिसमें बैंक द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट लागत का 25 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जायेगा। आवेदन पत्र ऑनलाइन माध्यम से बेवसाइट ेरी.४स्त्र.ॅ्ङ्क५.ल्ल पर निःशुल्क ऑनलाइन किया जा सकता है। आवेदन पत्र ऑनलाइन किये जाने हेतु शैक्षिक योग्यता न्यूनतम हाईस्कूल की मार्कशीट/अंक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, हस्ताक्षर, निवास प्रमाण पत्र, नोटीकृत हलफनामा एवं परियोजना रिर्पोट को पोर्टल पर अपलोड करना होगा। आवेदन पत्र उद्योग/सेवा क्षेत्र के अन्तर्गत ही स्वीकार किये जायेगें तथा व्यवसाय हेतु आवेदन पत्र स्वीकार नही होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा हमेशा ही युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनायें चलायी जाती है जिमें से यह योजना स्वरोजगार से दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है। डिप्टी कमिश्नर इण्डस्ट्रीज द्वारा जनपद के युवाओं से आवह्न किया कि वह आगे बढे एवं न केवल रोजगार की खोज करे अपितु रोजगार का सृजन करते हुये दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें।इस योजना के अन्तर्गत जनपद के युवा विभिन्न रोजगारपरक कार्यो को कर सकते है जैसे प्रिन्टिंग प्रेस, व्यूटी पार्लर, दोना पत्तल, ढावा/रेस्टोरेन्ट, बेकरी प्रोडेक्ट्स, टेन्ट हाउस, टेलरिंग का कार्य एवं आटा-चक्की इत्यादि का कार्य कर सकते है।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत कार्यवाही

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री, उ०प्र० की मंशा के अनुरूप एवं पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० के मार्गदर्शन में निदेशक/अपर पुलिस महानिदेशक , यातायात एवं सड़क सुरक्षा, उत्तर प्रदेश द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के कुशल नेतृत्व में जनपद पीलीभीत में जन एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत यातायात पुलिस द्वारा डग्गामार वाहनों के विरुद्ध, अवैध रूप से संचालित व अनुमति से अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चेकिंग कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में यातायात पुलिस टीम द्वारा जनपद के प्रमुख मागों, बस अड्डों व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिक्रमण हटवाते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया, आकृति पटेल, क्षेत्राधिकारी यातायात द्वारा यातायात कर्मियों के साथ विभिन्न चौराहों पर वाहन चालक एवं आमजनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया व नियमों का पालन करने हेतु अपील की गयी।

इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के 142 चालान करते हुए 186400/- रुपये शमन शुल्क अधिरोपित करते हुए, ओवरस्पीड 46 चालान, ड्रंकन ड्राइव 05 चालान व 50 डग्गामार वाहनों पर कार्यवाही की गयी। जनपद पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन हेतु अभियान लगातार जारी है।

हाफिजपुर पुलिस ने मोबाइल फोन छिनैती/चोरी करने वाले गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के थाना हाफिजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौधरी की पुलिस टीम ने मोबाइल फोन छिनैती/चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार।

जिनके कब्जे से छिनैती/चोरी की घटनाओं से सम्बन्धित दस मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त केटीएम मोटरसाइकिल व अवैध असलहा बरामद। गिरफ्तार अभियुक्तों के द्वारा रास्ते में चलते समय मोबाइल फोन पर बात करने वाले राहगीरों से मोबाइल फोन छीनने व ट्रक/बस आदि से मोबाइल फोन चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दिया जाता था।

पत्रकार एकता और सम्मान का दिखा अनोखा संगम, एप्जा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

लुकमान खान

पीलीभीत पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एप्जा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा जी का जन्मदिन पूरे उत्तर प्रदेश में पत्रकार साथियों द्वारा बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया इसी श्रृंखला में जनपद पीलीभीत की सभी तहसीलों में बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया वहीं दूसरी तरफ स्र्ं इकाई पूरनपुर में चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी के निदेर्शानुसार बड़े ही धूमधाम और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। जोगराजपुर स्थित भारत मेमोरियल हॉस्टिपल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पत्रकारों और संगठन

पदाधिकारियों का उत्साह देखने लायक रहा। कार्यक्रम का आयोजन तहसील अध्यक्ष रामनिवास कश्यप के नेतृत्व में किया गया, जहां बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों ने पहुंचकर संगठन की एकता और मजबूती का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत केक काटकर की गई, जिसके बाद उपस्थित पत्रकारों ने रविंद्र मिश्रा जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि रविंद्र मिश्रा ने हमेशा पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई को मजबूती से उठाया है। उनके नेतृत्व में संगठन लगातार मजबूत हुआ है और पत्रकारों को नई पहचान मिली है।

कार्यक्रम में मौजूद पत्रकारों और पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारिता केवल खबरों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और लोकतंत्र की आवाज को मजबूती देने का माध्यम भी है। ऐसे में संगठन की एकता और आपसी भाईचारा बेहद जरूरी है। जन्मदिन समारोह के माध्यम से पत्रकारों ने एकजुटता का परिचय देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया।

समारोह के दौरान पूरे परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल बना

पिलखुवा में ग्रामीण हस्तकरघा हस्तशिल्प विकास संस्थान के द्वारा आयोजित स्टैबलेट वितरण कार्यक्रम

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के धौलाना विधानसभा क्षेत्र के पिलखुवा नगर में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा विद्यार्थीओ को तकनीकी रूप से शशक्त बनाने हेतु ग्रामीण हस्तकरघा हस्तशिल्प विकास संस्थान के द्वारा आयोजित स्टैबलेट वितरण कार्यक्रमस्में लोकप्रिय सांसद अतुल गर्ग के साथ छात्रों को टैबलेट वितरण किए।इस अवसर पर वर्तमान में जिलाध्यक्ष कविता माधरे, नगरपालिका अध्यक्ष विभु बंसल, धौलाना ब्लॉक प्रमुख निशांत शिशौदिया, भूतपूर्व जिलाध्यक्ष उमेश राणा एडवोकेट, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश तोमर, समस्त मण्डल अध्यक्ष गण, समस्त जिला पदाधिकारी, सभी वरिष्ठ जन गण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहें।

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अन्तर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय,हापुड़ एवं राजकीय आई०टी०आई०,हापुड़ के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार मेला सम्पन्न

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अन्तर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय, हापुड़ एवं राजकीय आई०टी०आईओ०, हापुड़ के संयुक्त तत्वाधान में इन्द्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, गढ़ रोड़ हापुड़ में एक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया गया।

वृहद रोजगार मेला में बहुप्रतिष्ठित निजी क्षेत्र की कम्पनियों के नियोजकों के द्वारा हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई०टी०आई०, डिप्लोमा एवं पॉलीटेक्निक योग्यताधारी कुल 419 प्रतिभागी अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया गया, जिनमें से कुल 326 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्टिड / चयनित किया गया।

वृहद रोजगार मेले में काउन्सलर डॉ रामकुमार यादव द्वारा अभ्यर्थियों को रोजगार, स्वरोजगार के सम्बन्ध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वृहद रोजगार मेले में प्रधानाचार्य, राजकीय आई०टी०आई०, हापुड़ भी उपस्थित रहे।

वृहद रोजगार मेले में जिला सेवायोजन कार्यालय, हापुड़, इन्द्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, गढ़ रोड़ हापुड़ एवं राजकीय आई०टी०आई०, हापुड़ के समस्त स्टाफ द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

जिला प्रशासन एवं नेकी की दीवार सामाजिक संस्था के सहयोग से माँ गोमती सेवा यज्ञ कार्यक्रम का किया गया आयोजन

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिला प्रशासन एवं नेकी की दीवार सामाजिक संस्था पूरनपुर के सहयोग से गोमती गुरूद्वारा पर माँ गोमती सेवा यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गोमती नदी के पुनरूद्धार एवं नदी को स्वच्छ बनाना तथा आमजन को इस कार्य हेतु जागरूक करना है। उक्त अभियान का शुभारम्भ विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरूभाग सिंह एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य

विकास अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा, खण्ड विकास अधिकारी हेमन्त कुमार यादव द्वारा गोमती गुरूद्वारा पर अरदास के साथ किया गया। गोमती नदी की अविरल धारा के प्रवाह हेतु नदी की साफ सफाई का कार्य जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी, नेकी की दीवार सामाजिक संस्था के अध्यक्ष/सदस्यगण, अधिकारियों/कर्मचारियों, स्कूली बच्चों एवं जनसामान्य द्वारा श्रमदान कर किया गया। विधायक जी ने कहा कि यह केवल नदी नहीं बल्कि माँ गोमती है। माँ गोमती नदी के स्वच्छ होने से जनपद का नाम रोशन हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह जन उत्साह का कार्यक्रम है सभी लोग कार्यक्रम से जुड़कर गोमती नदी को स्वच्छ बनायेंगे, जिससे कि मॉ गोमती की अविरल धारा बह सके। उन्होंने बताया कि माँ गोमती का वर्णन गुरूग्रन्थ साहब में है। जिलाधिकारी ने सभी को सम्बोधित करते हुये कहा कि गोमती नदी गंगा नदी से भी प्राचीन है। उन्होंने बताया कि जैसा हरिद्वार का महत्व है उसी तरह गोमती का महत्व होने जा रहा है। नदी हमें पानी देती है जिससे फसलों की सिंचाई होती है जिससे अनाज पैदा होता है। उन्होंने कहा कि हमसब के जीवन में पहाड़ों, नदियों का बहुत महत्व है, हमसबका कर्तव्य है नदियों को बचाऐं और उन्हें स्वच्छ बनाये। उक्त अभियान में स्थानीय नागरिक, युवा व सामाजिक संगठन की सहभागिता सुनिश्चित करे। सेवा भाव के साथ अपना योगदान दें।

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन, नम ऑखों से दी लोगों ने दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (से.नि.) को हरिद्वार स्थित खड़खड़ी श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद रहे।

मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (से.नि.) की अंतिम यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा और हर वर्ग के लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंतिम संस्कार के दौरान सेना एवं पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर

देकर उन्हें अंतिम सलामी दी। उनके पुत्र मनीष खंडूड़ी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि खंडूड़ी जी का निधन राज्य और देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने सेना, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री के रूप में पारदर्शिता और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट कार्य किए। वह हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे।

उनकी कमी एक अभिभावक के रूप में हमेशा महसूस होगी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री खंडूड़ी जी का जीवन सादगी, अनुशासन और ईमानदारी का उदाहरण रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सेना अधिकारी के रूप में हर दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाया।

उनके कार्यों को उत्तराखण्ड ही नहीं, पूरा देश हमेशा याद रखेगा। सुशासन और लोकपाल जैसे महत्वपूर्ण विचारों को आगे बढ़ाने में उनका योगदान प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र/पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड भगत सिंह कोश्यारी, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, सतपाल महाराज, डॉ धन सिंह रावत, गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा व खजान दास, सांसद अनिल बलूनी व अजय भट्ट, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक व तीरथ सिंह रावत, भाजपा महामंत्री संगठन अजेय कुमार, विधायकगण और संतगण मौजूद थे।

गांव दलौता में हो रहा है विश्व शांति हेतु श्री विष्णु महायज्ञ का 29वां भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/चौमूहा। गांव दलौता में श्री राम मंदिर प्रांगण में श्री श्री 1008 श्री महंत हनुमान दास जी महाराज जी के सानिध्य में 29वी विश्व शांति हेतु श्री विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन बड़ी ही श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ हो रहा है। यज्ञ के मुख्य आचार्य पं निरंजन लाल शर्मा ने बताया कि यह यज्ञ 18 मई को 151 कलश यात्रा के साथ विधि विधान के साथ शुभारंभ हुआ निरन्तर प्रात श्री शिव जी के महाअभिषेक के साथ किया जाता है फिर वेद मत्रों के द्वारा हवन यज्ञ किया जाता है हवन यज्ञ करने से अधिक मास में दान यज्ञ करने का बहुत बड़ा महत्व है। महंत श्री हनुमान दास जी महाराज ने कहा यज्ञ करने से विश्व में शांति होती है विश्व का कल्याण होता है वातावरण शुद्ध होता है तथा सभी देवी देवता प्रसन्न होते हैं और प्रसन्न होकर देवी देवता जल की वर्षा करते हैं जिससे किसानों की अच्छी पैदावार होती है और पुत्र प्राप्ति एवं धन्य धान्य प्राप्ति होती है और अनेक महामारी बीमारी नहीं होती है। जहां-तहां छबि बरनत सब लोगू।अवश्य देखिइए देखन जोगू। यज्ञ के मुख्य आचार्य पं निरंजन लाल शर्मा ओम प्रकाश शर्मा गौरीशंकर शर्मा रामबाबू शर्मा रामेश्वर शर्मा श्याम सुंदर शास्त्री एवं अन्य ब्राह्मणों के द्वारा यज्ञ किया जा रहा है। यज्ञ में मानसिंह मास्टर उर्फ मंगला करुआ सिंह नेत्रपाल सिंह गुड्डु सिंह भोपाली सिंह मानवेंद्र सिंह पवन सिंह बृजमोहन सिंह रगगों सिंह एवं अन्य भक्तों का विशेष सहयोग किया जा रहा है। महेंद्र श्री हनुमान दास जी महाराज ने कहा कि 25 मई को पूर्ण आहुति एवं भंडारे में ब्रज के सभी संत महंत एवं भक्ति श्री विष्णु महायज्ञ में सादर आमंत्रित हैं।

रुदौली कोतवाली पुलिस का बड़ा गुडवर्क, पांच शातिर चोर गिरफ्तार

फतेह खान

रुदौली/अयोध्या(वेलकम इंडिया)। रुदौली कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए पांच शातिर चोरों के गिरोह को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब दो लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात व दो हजार रुपये नगद बरामद किए हैं।प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य के नेतृत्व में गठित टीम ने मुजफरा जगदीशपुर और भेलसर क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं का पदार्फाश किया। गिरफ्तार अभियुक्त बिहार के भोजपुर जनपद के निवासी बताए गए हैं।पुलिस के अनुसार आरोपियों ने घर में घुसकर जेवरात व नगदी चोरी करने के साथ ही महिला यात्री के बैग से भी गहने पार किए थे।पूछताछ में गिरोह के कई अन्य वारदातों में शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।एसएसपी डा0 गौरव ग्रोवर द्वारा चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत रुदौली पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय भेजा गया है।

403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी लोजपा रामविलास- पवन वर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। दिल्ली-आगरा हाईवे स्थित एक रेस्टोरेंट में बुधवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उत्तर प्रदेश पश्चिमांचल की प्रेस वार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिमांचल प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा मौजूद रहे।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पवन वर्मा ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपने बलबूते चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने पार्टी के मिशन 'क्यों मांगे उधार, अब अपना नेता है तैयार' को दोहराते हुए कार्यकताओं से अभी से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

उन्होंने समाजवादी पार्टी एवं कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पीडीए के नेता अखिलेश यादव वंचित समाज को गुमराह करने का कार्य कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अब उन्हें मान्यवर कांशीराम को भारत रत्न दिलाने की याद आ रही है, जबकि कांग्रेस की सरकारों के समय ऐसा क्यों नहीं किया गया। पवन वर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को दो-दो बार लोकसभा चुनाव हराने का काम किया था। उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान के सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके संघर्षों के चलते संसद के सेंट्रल हॉल में बाबा साहब आंबेडकर का चित्र स्थापित हुआ तथा उन्हें भारत रत्न दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए।

उन्होंने बताया कि रामविलास पासवान ने अपने मंत्रीकाल में रेलवे के 57 हजार कुलियों को स्थायी करने, घर-घर टेलीफोन पहुंचाने तथा वीरांगना उदा देवी पासी, महाराजा बिजली पासी, झलकारी बाई कोरी एवं वीर अब्दुल हमीद जैसी महान विभूतियों पर डाक टिकट जारी कराने जैसे कई ऐतिहासिक कार्य किए।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के लिए निर्णायक होगा और पार्टी के बिना प्रदेश में किसी की सरकार नहीं बनेगी। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव प्रदीप अरोड़ा,प्रदेश मीडिया प्रभारी अतुल कुमार, प्रदेश सचिव कृष्ण गोपाल कर्दम, प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ अनिल कुमार गुप्ता,आगरा मंडल अध्यक्ष चेतन राघव, मंडल उपाध्यक्ष अंकित तिवारी,जिलाध्यक्ष मथुरा हेमराज सिंह, जिलाध्यक्ष आगरा पीयूष कुमार, महानगर अध्यक्ष आगरा हरेन्द्र चक एवं प्रदेश महासचिव जितेंद्र यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अधिकमास की शुरूआत के बाद भी बिजली विभाग के दावे हवाहवाई

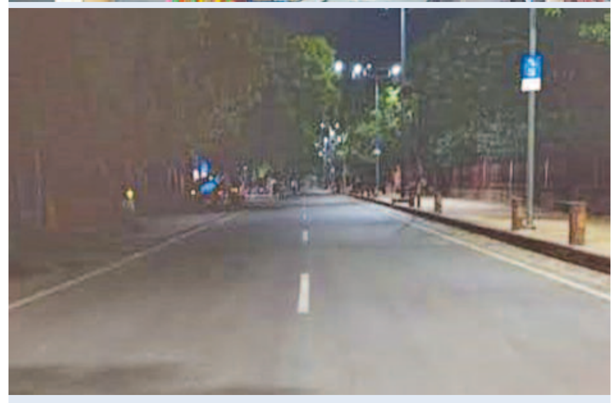

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोवर्धन। गिर्राज नगरी में पवित्र माह अधिकमास की शुरूआत 17 मई से हो चुकी है। अधिकमास के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के गिर्राज जी की परिक्रमा लगाने की संभावना है। परिक्रमार्थियों की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहता। स्वयं जिलाधिकारी महोदय रात्रि में परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर अधीनस्थों को जरूरी दिशा निर्देश दे रहे हैं। अधिकमास मेला व्यवस्थाओं की कढ़ी में सोमवार को जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह गिर्राज परिक्रमा में पैदल भ्रमण करने आए थे। जहां उन्होंने परिक्रमा मार्ग में अंधेरे के कारण बिजली विभाग को चेतावनी दी थी।

जिलाधिकारी ने परिक्रमा में अंधेरे के कारण बिजली विभाग के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की चेतावनी दी थी। अधिकारियों को परिक्रमा के दौरान अनावश्यक कटौती के लिए आगाह किया था। वहीं दूसरी ओर कस्बावासी भी बिजली की समस्या से परेशान हैं। रात्रि में लगातार बिजली कटौती से कस्बावासी प्रशासन से चैन की नींद मांग रहे हैं। बड़ा बाजार गोवर्धन निवासी रामकिशन ने बताया कि रात्रि में हर आधा-एक घंटे में बिजली चली जाती है।जिससे यहां रहना मुश्किल हो गया है। डीग अड्डा निवासी लक्ष्मण शर्मा ने बताया कि रात भर बिजली समस्या से परेशान हैं। सोचा तो था कि अधिकमास में 24 घंटे बिजली आपूर्ति मिलेगी। लेकिन अब तो पहले से भी ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। परन्तु बिजली विभाग के अधिकारी जमीनी स्तर पर मेला व्यवस्था देखने के बजाय एसी कार्यालयों में से निकलने से परहेज कर रहे हैं। परिक्रमा मार्ग में बिजली कटौती व ट्रिप की समस्या लगातार बनी हुई है। जगह-जगह परिक्रमा मार्ग में ट्रांसफार्मर के नीचे लगे करंट के बख्शे खुले पड़े हैं। परिक्रमार्थियों की भीड़ को देखते हुए भी विभाग अनजान बना बैठा है। जिससे अनहोनी की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। एसडीओ गोवर्धन ने बताया कि अधिकमास में बिजली समस्या पर काम किया जा रहा है। बुधवार को मीटिंग के कारण कल व्यवस्थाओं को देखेंगे। आज कर्मचारियों को भेजकर खुले पड़े करंट के बक्शो को बंद करा दिया जाएगा।

कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में माह मई,2026 में किसान दिवस आयोजन के सम्बन्ध में

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी हापुड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में किसान दिवस का आयोजन किया गया,जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रो के कृषको एवं कृषक प्रतिनिधियो के द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में योगेन्द्र कुमार उप कृषि निदेशक हापुड़ के द्वारा उपस्थित सभी सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं कृषक बन्धुओ का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक, हापुड़ के द्वारा उपस्थित कृषक भाईयों को अवगत कराया गया कि जनपद में जिन कृषको के द्वारा फार्मर रजिस्ट्री अभी तक नहीं बनवायी गयी है तो उनसे जल्द ही फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु अनुरोध किया गया तथा फार्मर रजिस्ट्री कराने की पूरी प्रकिया से अवगत कराया गया। गतमाह अप्रैल, 2026 के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतो से सम्बन्धित निस्तारण आख्या उपस्थित सभी कृषको के समक्ष पढ़कर सुनाई गयी तथा निस्तारण सम्बन्धी विस्तृत विवरण से सम्बन्धित अधिकारी के द्वारा कृषको को अवगत कराया गया। आज किसान दिवस में विभिन्न कृषको के द्वारा समस्या लिखित रूप से अवगत करायी गयी,जिसमें गन्ना भुगतान,विद्युत,तहसील एवं सिचाई से सम्बन्धित मुख्य समस्याए रही। जिलाधिकारी कविता मीना हापुड़ के द्वारा किसान दिवस में समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों / प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निस्तारण एक सप्ताह में करके प्रत्येक दशा में निस्तारण की कार्यवाही की प्रति किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक, हापुड़ कार्यालय निकट कोतवाली में उपलब्ध कराते हुये एक प्रति शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

फतेह खान

शुजागंज अयोध्या(वेलकम इंडिया)। शिक्षा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत आदिलपुर शुजागंज में स्थित हाजी अब्दुल्लाह काजिम इंटर कॉलेज में माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के हाई स्कूल एवं इंटर मीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान वार्षिक अंकपत्र, प्रशस्ति पत्र, मेडल वितरण समारोह आयोजित किया गया।

जिसके मुख्य अतिथि शहाब अख्तर एडवोकेट रहे कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय प्रधानाचार्य महमूद अली ने अतिथि का अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडवोकेट शहाब अख्तर ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा साधन है जिसको प्राप्त कर विद्यार्थियों का जीवन प्रकाशमय हो जाता है जिसने शिक्षा प्राप्त नहीं की उसका जीवन अंधकार मे रहता है। यदि विद्यार्थियों को अग्रिम सीढ़ी पर पहुंचना है तो सर्वप्रथम मोबाइल फोन से दूरी बना किताबों से जुड़ना होगा शिक्षा प्राप्त करने से ही डॉक्टर इंजीनियर आईपीएस आई ए एस सरकारी अध्यापक पायलट बनते हैं। नीट, जेईई, IIT की तैयारी कक्षा नौ से ही कर सकते हैं।

वहीं प्रधानाचार्य महमूद अली ने संबोधित करते हुए कहा कि हर माता पिता को चाहिए कि अपने बच्चों के अंदर शिक्षा की अलख जगाने का काम करे, हर माता पिता का कर्तव्य है कि बच्चों को इतनी शिक्षा दिलाए जिससे वह किसी भी पद पर पहुंच प्रदेश, जनपद, तथा क्षेत्र का नाम रौशन करें।

उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में कक्षा दस की तफ़्जीला, आयशा, सुगरा कक्षा बारह से कशफ, सानिया, शबीना शामिल थीं। इस अवसर पर धनीराम, हाफिज एकलाख, सर्वेश कुमार, तुफैल अहमद, तुबा, उम्मी हानी, मोहम्मद शरीफ, मायाराम यादव,नीतू शुंबुल, हृदय राम, चंदन सहित समस्त अध्यापक गण उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस प्रबन्ध, मेरठ परिक्षेत्र मेरठ

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में कानून व्यवस्था के दृष्टिगत परिक्षेत्र के जनपदो में 06 अपर पुलिस अधीक्षक,19 सीओ, 87 निरीक्षक, 523 उ0नि0, 634 मु0आ0,638 आरक्षी, 240 हो0गार्ड/पीआरडी एवं 03 कम्पनी पीएसी की ड्यूटी लगाई गई है। गंगा दशहरा पर परिक्षेत्र के चारो जनपद मेरठ, बुलन्दशहर, बागपत एवं हापुड़ में कुल 23 घाटों पर स्नान होगा, जिनमे जनपद मेरठ मे 05, जनपद बुलन्दशहर मे 14, जनपद बागपत मे 01, व जनपद हापुड मे 03 घाट है।इस अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु स्नान करते है। परिक्षेत्र की सभी जनपदीय पुलिस द्वारा पीस कमेटी/ धर्म गुरू/ शांति समिति/ संभ्रान्त व्यक्तियों के साथ 104 अन्य विभाग जैसे नगर निगम, स्वास्थय, विद्युत विभाग आदि के साथ 103 एवं आयोजको/ संचालको के साथ 87 गोष्ठियां आयोजित कर ली गई हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी महोदय ने बताया कि ज्येष्ठ दशहरा के अवसर पर गंगा सहित अन्य प्रमुख नदियो के विभिन्न घाटो पर श्रद्धालुओं द्वारा स्नान व पूजा अर्चना की जाती है तथा मेलो का आयोजन भी किया जाता है। इस अवसर पर काफी संख्या मे श्रद्धालू घाटो पर एकत्रित होते है।

परिक्षेत्र के जनपद हापुड के तीर्थनगरी ब्रजघाट मे आसपास व दूरदराज से लाखो की संख्या मे श्रद्धालुजन गंगा स्नान हेतु आते हैं । त्यौहार के सफल आयोजन एवं श्रद्धालुओ की सुरक्षा हेतु मेरठ रेंज मे व्यापक पुलिस प्रबंध किये गये हैं।जनपद हापुड़ को मेरठ परिक्षेत्र के अन्य जनपदो से आवंटित पुलिस बल 05 पुलिस उपाधीक्षक, 25 निरीक्षक, 140 उपनिरीक्षक, 350 मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 40 महिला उपनिरीक्षक, 130 महिला मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 15 उपनिरीक्षक यातायात, 40 मुख्य आरक्षी/आरक्षी यातायात का आवंटन किया गया है। उक्त के अतिरिक्त जनपद हापुड़ को जोन व मुख्यालय से पी.ए. सी./ फ्लड पीएसी , फायर टेण्डर मय स्टाफ व उपकरण, यातायात जीप / जिप्सी, यातायात मोटर साइकिल, क्रेन, एम्बुलेंस मय उपकरण, बी0डी0एस0 टीम, हैन्ड हैल्ड सैट, स्टेटिक सैट उपलब्ध कराये जा रहे है। पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत व्यापक इन्तजाम करने हेतु पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र श्री कलानिधि नैथानी महोदय द्वारा परिक्षेत्र के जनपद प्रभारियो को दिये गये आवश्यक दिशा निर्देशगंगा दशहरा पर स्नान व मेलो के दृष्टिगत नदियों/ घाटों को चिन्हित कर समस्त ड्यूटी बिन्दुओं का तत्काल भौतिक सत्यापन कर पुलिस प्रबन्ध योजना तैयार कर ली जाए। पुलिस/पीएसी बल,जल पुलिस,एसडीआरएफ, अग्निशमन सेवा घुड़सवार पुलिस,यातायात पुलिस, बीडीडीएस/ ए०एस०चेक टीम एवं महिला पुलिस कर्मियो का योजनाबद्ध

व्यवस्थापन किया जाये।स्नानार्थियों की सुरक्षा हेतु स्नान घाटों पर समुचित जल बेरीकेडिंग,गहरे पानी की पट्टिका/खतरा चिन्ह लगाये जायें।नावों पर भ्रमण करने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक नाव पर लाइफ जैकेट की व्यवस्था अवश्य रहे साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए कि किराए को लेकर होने वाले विवादों के दृष्टिगत सभी नावों पर रेटलिस्ट स्पष्ट एवं साफ-साफ लगायी जाये।महत्वपूर्ण घाटों पर जल पुलिस एवं स्थानीय गोताखोरों के द्वारा निरन्तर निगरानीं सुनिश्चित करायी जाये तथा डूबने आदि किसी प्रकार की दुर्घटना को रोकने हेतु बचाव दल नियुक्त किया जाए। श्रद्धालुओं के द्वारा रात्रि में ही स्नान करने व अन्य कार्यक्रमों के दृष्टिगत प्रकाश की उचित व्यवस्था करा ली जाये।स्नान के दौरान घाटों पर महिलाओं से छेड़छाड़, लूट व चेन स्नैचिंग की सम्भावित घटनाओं की रोकथाम हेतु सादे वस्त्रों में महिला पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगायी जाये।स्नान/ मेला के अवसर पर अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ की सम्भावना के दृष्टिगत यातायात नियंत्रण योजना कड़ाई से लागू की जाये।जनपद मे स्नान के स्थलों का क्षेत्राधिकारी द्वारा भ्रमण कर लिया जाये। अगर कोई विवाद/त्रुटि परिलक्षित होती है तो उसको तत्काल दूर करा लिया जाये।स्नान के स्थानों के आने जाने वाले मार्गों पर सुनियोजित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।कई बार बड़े व्यक्तियों की होड में आकर छोटे बच्चे गहरे पानी में चले जाते हैं जिससे डूबने की घटना घटित हो जाती है इस प्रकार की घटनाओं को रोकने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाये। मेले के स्थानों पर यातायात एवं स्नान किए जाने के दौरान पब्लिक एड्रेस सिस्टम व लाउड हेलर के माध्यम से संदेश प्रसारण किए जाने की व्यवस्था की जाए।आकस्मिक घटनाओं के दृष्टिगत उनसे निपटने के लिये स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना (Contingency plan) तैयार कर लिया जाये। उक्त के सम्बन्ध में स्थानीय थानों के त्यौहार रजिस्टर/प्रचलित विवादों तथा उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी कराकर प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में उसका निराकरण करा लिया जाये।स्थानीय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के आयोजनकताओं एवं स्थानीय गंगा कमैटी, पीस कमैटी मोहल्ला सुरक्षा समिति के साथ मौहल्ला, ग्रामवार गोष्ठी कर उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त कर लिया जाये। आयोजनकताओं के द्वारा किसी प्रकार का सुझाव या किसी त्रुटि से अवगत कराया जाये तो स्थानीय परिस्थिति के अनुसार उसका निराकरण करा लिया जाये। जिस स्थान पर शरबत बांटा जाता है अथवा प्याऊ लगायी जाती है उन स्थानों पर प्लास्टिक के गिलासों को एकत्र करने हेतु आयोजनकताओं से कूड़ादान लगवा दिया जाये जिससे गंदगी न फैल पाये।किसी प्रकार की विषम परिस्थिति से निपटने हेतु मेला क्षेत्र तथा मेले के आने जाने वाले मार्गों के थानों में सही हालत में दंगा नियंत्रण उपकरण रखे जाये।इस अवसर पर विगत वर्षों में यूपी-112 के पूर्व वर्षों के इवेंट लोग का अध्ययन कर उसके अनुसार संवेदनशील स्थानों/ मार्गों पर व्यवस्थापन किया जाये। जनपद में किसी भी प्रकार की कोई नई विवादित परम्परा की कदापि अनुमति न दी जाये।सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जाए तथा इस हेतु सोशल मीडिया सैल के अतिरिक्त डिजिटल वालंटियर्स का भी सहयोग प्राप्त कर लिया जाये। असामाजिक तत्वों/अफवाह फैलाने वालों पर सतर्क दृष्टि बनाये रखी जाये तथा किसी भी प्रकार की अफवाह प्रकाश में आती है तो उसका तत्काल प्रभावी ढंग से खण्डन किया जाये।संवेदनशील स्थानों, उत्तेजना फैलाने वाले व्यक्तियों व संगठनों पर निरन्तर सतर्क दृष्टि बनाये रखी जाये। आवश्यकता होने पर निरोधात्मक कार्यवाही कराते हुए भारी मुचलके से पाबंद कराया जाए।मुख्य एवं संवेदनशील स्थानों की वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी करायी जाये। स्थानीय स्वयं सेवी संस्थाओ द्वारा लगाये गये कार्यकर्ता/डियूटी पर नियुक्त पुलिस बल को उनके कर्तव्यों के सम्बन्ध में भली प्रकार ब्रीफ कर दिया जाये ताकि ड्यूटी के दौरान विषम परिस्थिति में की जाने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में कोई संशय न रहे। छेड़छाड़, चेन स्नैचिंग, झपटमारी आदि की घटनाओं को रोकने हेतु स्थानीय स्तर पर रास्तों में गश्त/फैण्टम/पिकेट आदि की व्यवस्था की जाये। स्थानीय स्तर पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल रिजर्व के रूप में नियुक्त रखा जाये ताकि विषम परिस्थिति में अल्प समय में उसका उपयोग किया जा सके ।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्टों ने बंद रखीं दुकानें, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मंगलवार को दवा विक्रेता समिति सिद्धार्थनगर के आह्वान पर जिले भर के केमिस्टों ने एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल कर दवा दुकानों को बंद रखा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजकर ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि इंटरनेट के माध्यम से बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श के दवाओं की बिक्री, घर-घर दवा वितरण और अत्यधिक छूट देकर बिक्री किए जाने से जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। समिति पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन कंपनियां ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 के स्पष्ट प्रावधानों के अभाव का लाभ उठाकर लंबे समय से दवा बिक्री कर रही हैं, जिससे छोटे केमिस्ट एवं दवा व्यापारियों के अस्तित्व पर संकट गहरा रहा है। समिति ने मांग की कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, बिना पंजीकरण के दवा वितरण प्रतिबंधित किया जाए तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट और प्रिडेटरी प्राइसिंग नीति पर कार्रवाई की जाए।

दवा विक्रेता संघ सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष मोहम्मद जमील सिद्दीकी ने कहा कि यह एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल केवल सिद्धार्थनगर जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश में दवा व्यापारियों द्वारा एकजुट होकर की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री से स्थानीय दवा व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है और मरीजों की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी जैसे कठिन समय में स्थानीय दवा व्यापारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक दवाएं पहुंचाईं और स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु बनाए रखा। ऐसे में सरकार को जनहित और मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन दवा बिक्री पर जल्द ठोस निर्णय लेना चाहिए।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष मोहम्मद जमील सिद्दीकी,जिला महा सचिव मनोज कुमार जायसवाल, नगर अध्यक्ष सिद्धार्थ नगर अनिरुद्ध राय, नगर महासचिव मोजिबुल्लाह,मुजीब ,मुर्तजा खान नगर सचिव , संघ के सदस्य अशफाकुल्लाह , नगर कोष अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दो मंजिला व्यवसायिक कमरों का जल्द होगा निर्माण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद के सबसे बड़े ब्लाक सेमरियावा के दिन अब बहुरने वाले हैं सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के निर्देश पर जेई कुतुबुद्दीन खान, मुश्ताक अहमद, गुफरान मुनीर ने सर्वे का कार्य किया। जिससे अब लोगों में आशा की किरण जग उठी है। लोगों ने सदर विधायक और ब्लाक प्रमुख की भूरी भूरी प्रशंसा किये हैं। सेमरियावां ब्लाक क्षेत्र के लोगों को जल्द ही बड़ी सौगात मिलने जा रही है। सबसे बड़े ब्लाक की भूमि पर दो मंजिला व्यवसायिक कमरों का जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बुद्धवार को सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के निर्देश पर जेई कुतुबुद्दीन खान, मुश्ताक अहमद, गुफरान मुनीर ने सर्वे का कार्य किया। सर्वे का कार्य पूरा हो जाने और सारी औपचारिकता पूरी हो जाने के बाद दो मंजिला व्यवसायिक कमरों का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। समाजसेवी गुफरान मुनीर ने बताया कि इससे लोगों को रोजी रोटी मिल सकेगी। दुकान या कोई प्रतिष्ठान खोलकर अपना जीवन यापन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सदर विधायक अंकुर राज तिवारी का सपना है कि सेमरियावां ब्लाक को आदर्श ब्लाक बनाया जाय। उसी की कड़ी में आज सर्वे का कार्य किया गया है। मुश्ताक अहमद ने सदर विधायक अंकुर राज तिवारी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि वह नेकदिल और विकास की सोच रखने वाले इंसान हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने दो माह के मानदेय व पीबीआई का भुगतान की मांग को लेकर अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के तत्वाधान में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरियावा के अधीक्षक डॉ. सुरेश चंद्रा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का विगत दो माह से मानदेय एवं कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि का भुगतान अब तक लंबित है। लगातार भुगतान लंबित होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मानसिक और आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से जनता को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं परन्तु कर्मचारियों के मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। दीपशिखा, ज्योति, सविता वर्मा, सुषमा, कादिर, सतीश शुक्ला, शिप्रा चौधरी, पूजा, अर्चना, सत्यभामा, ट्विंकल, चंदरेखा आदि ने बकाया मानदेय और पीबीआई का भुगतान जल्द कराने की मांग किये हैं।

मानदेय को तरसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी, आंदोलन की चेतावनी

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत संविदा कर्मचारियों का धैर्य अब टूटने लगा है। कस्बे के सरकारी अस्पताल में तैनात कर्मचारियों को दो माह से मानदेय न मिलने से परेशान कर्मचारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है और एक ज्ञापन चिकित्सक प्रभारी को सौपकर जल्द भुगतान कराने की मांग की है। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि मार्च और अप्रैल 2026 का मानदेय अब तक जारी नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है।

परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है, वहीं नए शैक्षणिक सत्र में बच्चों की फीस, किताबें और अन्य आवश्यक खर्च उठाना भी चुनौती बन गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित अधिकारी समस्या के समाधान को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

इससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। संघ की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को मुख्य चिकित्सा अधिकारी शामली के नाम ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी गई कि यदि 20 मई 2026 तक लंबित मानदेय का भुगतान नहीं हुआ तो 21 मई से सभी संविदा कर्मचारी आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर कार्य बहिष्कार करेंगे।

साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा। संघ ने प्रशासन से जल्द समस्या का समाधान कर कर्मचारियों को राहत दिलाने की मांग की है। पूर्व में भी कर्मचारी वेतन की मांग को लेकर काली पट्टी बांधकर अपना प्रदर्शन कर चुके हैं। इस दौरान तौहीद, सिद्धार्थ, सागर, अंकित, शीना और रजनीश समेत कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी मौजूद रहे।

आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर द्वारा समीक्षा बैठक, शिथिलता बरतने पर कार्रवाई के सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में शिथिलता एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किए जाने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जनपद के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों की बैठक ली गई ।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा आईजीआरएस प्रकरणों के त्वरित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए गए ।

समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए तथा शिकायतकताओं की संतुष्टि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही अथवा शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी ।

परिवारिक विवाद में युवक ने मौत को लगाया गले,फंदे से लटका मिला शव

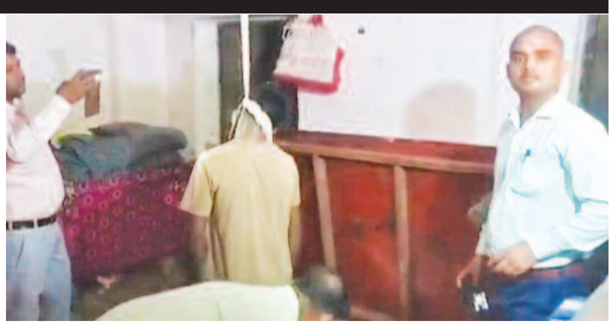

असदुल्लाह सिद्दीकी

चिल्हियां/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र चिल्हियां के ब्लाक शोहरतगढ़.अन्तर्गत अलीदापुर गांव की बेहद हृदयविदारक और झकझोर देने वाली खबर प्रकाश में आती है, जहाँ पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक ने कथित तौर पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान प्रदीप कुमार के रूप में हुई है, जो शादी-विवाह कार्यक्रमों में कैटरिंग का काम करता था। बताया जा रहा है कि पत्नी से आपसी विवाद और घरेलू तनाव के बाद उसकी पत्नी नीलम उर्फ गुड़िया नाराज होकर रिश्तेदारी में चली गई थी। इसी के बाद युवक मानसिक तनाव में आ गया और बीती रात कमरे का दरवाजा बन्द कर कथित तौर पर फांसी लगा ली। सुबह जब परिजन उसे जगाने पहुँचे, तो घटना की जानकारी हुई जिसके बाद पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही थाना चिल्हियां पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अपने पीछे बूढ़े माता-पिता, और चार भाइयों को छोड़कर मौत को गले लगा लिया। वहीं परिवार में लगभग 12 वर्ष की बेटी संध्या और 3 वर्ष के बेटे प्रियांशु को छोड़ गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुटी रही। परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में किसी पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कह रही है। मौके पर ग्राम प्रधान पंकज चौबे भी पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाते नजर आयें। फिलहाल गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं की जा रही है।

पूर्वी यमुना नहर पटरी पर पड़ा बिजली का खंभा, हादसे की आशंका

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते पूर्वी यमुना नहर पटरी मार्ग पर कई दिनों से बिजली का एक खंभा पड़ा हुआ है। खंभा सड़क किनारे पड़े रहने से राहगीरों और वाहन चालकों में हादसे का डर बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने विभागीय अधिकारियों से जल्द खंभे को हटवाने की मांग की है। नगर एवं क्षेत्र में कुछ दिन पूर्व क्षेत्र में आई बारिश और आंधी के कारण कई स्थानों पर विद्युत पोल और लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। उस दौरान विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई थी। विद्युत विभाग ने अस्थायी व्यवस्था कर बिजली आपूर्ति तो सुचारू करा दी, लेकिन पूर्वी यमुना नहर पटरी पर गिरा बिजली का खंभा अब तक नहीं हटाया गया है।आसपास के लोगों का कहना है कि नहर पटरी मार्ग से दिनभर दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन बना रहता है। रात के समय अंधेरा होने के कारण वाहन चालक खंभे को समय पर नहीं देख पाते, जिससे दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि कोई बाइक या अन्य वाहन खंभे से टकरा गया तो बड़ा हादसा हो सकता है।आसपास के लोगों ने मांग की है कि विभाग तत्काल संज्ञान लेकर सड़क किनारे पड़े खंभे को हटवाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

अधिकमास में मंदिरों में धार्मिक आयोजनों के साथ भक्तों द्वारा प्रसाद व जलसेवा जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गिरिराज धाम में अधिकमास मेले का शुभारंभ हो चुका है, पूरे क्षेत्र में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन पहुंच रहे हैं और 84 कोस की परिक्रमा लगाकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी देखने को नहीं मिल रही है।श्रद्धालु लगातार गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रहे हैं।

अधिकमास मेले के अवसर पर गोवर्धन और आसपास के क्षेत्रों में जगह जगह धार्मिक आयोजन भजन कीर्तन कथा और भंडारों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सौंख मथुरा रोड पर स्थित श्री भगवान दत्तात्रेय धाम मंदिर में समाजसेवी पूनम सिंह के नेतृत्व में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल हुए और पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

धार्मिक आयोजन के समापन के बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण कराया गया।वहीं मंदिर के मुख्य द्वार पर परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं के लिए जल प्याऊ सेवा भी संचालित की गई। भीषण गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं को ठंडा पानी उपलब्ध कराया गया। जिससे परिक्रमा कर रहे भक्तों को काफी राहत मिली।सेवा कार्य में लगे लोगों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर उनका स्वागत भी किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकमास मेले के दौरान इस प्रकार के धार्मिक और सेवा कार्यों से श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिल रही है। मंदिरों और सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार सेवा कार्य किए जा रहे हैं। जिससे गोवर्धन क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में नजर आ रहा है।इस अवसर पर पवन हुड्डा प्रवीन इशिता सिंह नितिन पंकज तथा अमरदास बाबरा सहित अन्य श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्कूल वैन की टक्कर से एलकेजी छात्रा घायल, चालक फरार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के कैराना मार्ग स्थित नवीन सब्जी मंडी के निकट एक स्कूल की वैन ने एलकेजी की छात्रा को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वैन समेत मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल छात्रा को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे मेरठ के हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक छात्रा की हालत नाजुक बनी हुई थी।कस्बे के कैराना मार्ग स्थित नवीन सब्जी मंडी के निकट निवासी जाकिर की छह वर्षीय पुत्री फलक नगर के प्रगति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एलकेजी की छात्रा है। बुधवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद छात्रा पैदल अपने घर लौट रही थी। परिजनों के अनुसार इसी दौरान कैराना की ओर से आ रही शामली के स्कॉटिश स्कूल की वैन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए छात्रा को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वैन लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई।

सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल छात्रा को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद छात्रा की गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ के हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर आरोपी वैन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच करते हुए फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है की तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जिला कारागार का डीएम-एसएसपी ने किया औचक निरीक्षण, बैरकों की सघन तलाशी

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिला कारागार के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाए रखने और जेल मैनुअल का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए बुधवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। शीर्ष अधिकारियों के अचानक जेल पहुंचने से कारागार महकमे में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ सभी बैरकों की सघन तलाशी ली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

भोजनालय की साफ-सफाई और बैरकों की हुई गहन पड़ताल

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और एसएसपी ने बंदियों के भोजनालय (मेस) का रुख किया, जहां भोजन की गुणवत्ता और रसोई की साफ-सफाई को परखा गया। इसके बाद अधिकारियों ने विभिन्न बैरकों का गहन निरीक्षण कर बंदियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। सघन जांच के दौरान कारागार की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक और दुरुस्त पाई गईं। जिलाधिकारी ने जेल प्रशासन को सख्त लहजे में हिदायत दी कि मुख्य द्वार पर चेकिंग की व्यवस्था इतनी मुस्तैद रखी जाए कि जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री प्रवेश न कर सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि चेकिंग में कोई चूक पाई गई तो जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नए कैदियों की सेहत और शातिरों की निगरानी पर विशेष जोर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने सुरक्षा के मद्देनजर जेल अधीक्षक को विशेष दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि कारागार में आने वाले प्रत्येक नए बंदी का जेल चिकित्सकों द्वारा अनिवार्य रूप से सबसे पहले स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। इसके साथ ही जेल अधीक्षक नियमित रूप से खुद कारागार परिसर और बैरकों का औचक निरीक्षण करते रहें। जेल में निरुद्ध गंभीर प्रकृति के बंदियों और शातिर अपराधियों की गतिविधियों पर विशेष व सतर्क दृष्टि रखी जाए तथा बंदियों की किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अनुशासनहीनता के संबंध में समय-समय पर उच्चाधिकारियों को तत्काल अवगत कराया जाए।

सड़कों पर घूम रहे गोवंश, हादसों और फसलों के नुकसान का बन रहे कारण

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भले ही गोवंशों के रखरखाव और उनकी सुरक्षा के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च कर रही हो, लेकिन इसके बावजूद भी नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में गोवंश सड़कों पर खुलेआम घूमते दिखाई दे रहे हैं। गोवंश जहां सड़क हादसों का कारण बन रहे हैं, वहीं किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। लोगों ने आवारा गोवंशों को पकड़कर अस्थायी गौशालाओं में भेजने की मांग की है।बुधवार को कस्बे के कैराना मार्ग पर कूड़े के ढेर में आधा दर्जन से अधिक गोवंश भोजन तलाशते नजर आए। किसी राहगीर ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल तस्वीर ने सरकार के निर्देशों और अधिकारियों के दावों की पोल खोलकर रख दी है।प्रदेश सरकार द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी गोवंश सड़कों पर घूमता दिखाई न दे, लेकिन इसके बावजूद नगर और क्षेत्र में स्थिति जस की तस बनी हुई है। आवारा गोवंशों के कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।नगर निवासी रमेश, राजवीर, नौशाद, इरफान, नदीम और शाहिद आदि लोगों का कहना है कि आए दिन सड़कों पर घूम रहे गोवंश हादसों का कारण बन रहे हैं। साथ ही किसानों की फसलें भी बर्बाद हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से गोवंशों की रोकथाम कर उन्हें सुरक्षित रूप से गौशालाओं में भेजने की मांग की है।

निस्वार्थ भाव से की गई भक्ति ही मानव जीवन को बनाती है सार्थकः स्वामी लोकेशानंद

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर(उत्तम दीक्षित) राजस्थान। ग्राम अधन्नपुर में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के दूसरे दिन बाल ब्रह्मचारी संत अवधूत स्वामी लोकेशानंद जी महाराज गुफाधाम जारौली टीला सरकार वालों के श्रीमुख से 'भक्ति चरित्र' और 'प्रभु श्रीराम को वनवास क्यों' प्रसंगों का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। इस दौरान पंडाल में मौजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

कथा व्यास लोकेशानंद महाराज ने भक्ति चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई भक्ति ही मानव जीवन को सार्थक बनाती है। उन्होंने भक्तों को समझाया कि संसार में रहते हुए धर्म और सदाचार के मार्ग पर कैसे चला जाए। उन्होंने कहा कि भक्ति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता, और जो व्यक्ति प्रभु के चरणों में खुद को पूरी तरह समर्पित कर देता है, उसका कल्याण निश्चित है।

कथा के अगले चरण में व्यास पीठ से प्रभु श्रीराम के वन गमन का प्रसंग सुनाया गया। कथावाचक ने विस्तार से बताया कि आखिर मयार्दा पुरुषोत्तम राम को क्यों वनवास जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि राजा दशरथ ने रानी कैकेयी को देवासुर संग्राम के समय दो वरदान दिए थे।

मंथरा की दासी बुद्धि के प्रभाव में आकर कैकेयी ने राजा दशरथ से राम के लिए 14 वर्ष का वनवास और भरत के लिए राजतिलक मांग लिया। श्रीराम ने अपने पिता के वचनों को निभाने और रघुकुल की रीति को अक्षुण्ण रखने के लिए बिना किसी संकोच के राजपाठ त्याग दिया और वन गमन स्वीकार किया। आध्यात्मिक दृष्टि से राम का वन जाना ब्रह्मांडीय योजना का हिस्सा था, ताकि वे वन में ऋषि-मुनियों को आतंक से मुक्ति दिला सकें और रावण जैसे महापापी राक्षस का वध कर सकें। जब कथावाचक ने लक्ष्मण और माता सीता के साथ श्रीराम के तपस्वी भेष में महल से विदा होने का प्रसंग सुनाया, तो पूरा कथा पंडाल शांत हो गया।

इस मार्मिक दृश्य और भजनों को सुनकर कई महिला व पुरुष श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। कथा के समापन पर मुख्य यजमानों सोबरन सिंह अरेला, भगवंत सिंह अरेला, राजेश मरैया, दिनेश चंद्र रावत, बृजेश उपाध्याय, योगेश चौबे, राजकुमार बिथरिया, शाशिकांत, कृष्णकांत, ब्रजमोहन, पुरुषोत्तम, मोतीराम अरेला, भीमसेन, संतोष, आदित्येन्द्र, लोकेंद्र द्वारा भागवत आरती उतारी गई और उपस्थित सभी भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

मुख्य क्षेत्रीय अभियंता राजेश कुमार के खुले दरबार ने बदली बिजली विभाग की तस्वीर

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। फरियादियों को बिना सिफारिश मिल रहा इंसाफ- सुबह से देर शाम तक समस्याएं लेकर उमड़ रही जनता- लोग बोले- वर्षों बाद मिला ऐसा अधिकारी जो कुर्सी नहीं, जनता की तकलीफ समझता है। सहारनपुर पश्चिम विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में मुख्य क्षेत्रीय अभियंता सहारनपुर परिक्षेत्र के रूप में इंजीनियर राजेश कुमार की तैनाती के बाद बिजली विभाग की कार्यशैली में बड़ा बदलाव दिखाई देने लगा है - कभी शिकायतों, भ्रष्टाचार और दलालों के दबदबे को लेकर बदनाम रहने वाले विभाग में अब आम उपभोक्ताओं की आवाज सीधे अधिकारियों तक पहुंच रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिन लोगों की सुनवाई पहले कई-कई चक्कर लगाने के बाद भी नहीं होती थी, आज वही लोग एक मुलाकात में अपनी समस्या का समाधान पाकर राहत की सांस ले रहे हैं - कार्यालय पहुंचने वाले उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले बिजली विभाग में बिना सिफारिश और बिना दलाल के काम होना मुश्किल माना जाता था - घंटों लाइन में लगने के बावजूद अधिकारी मिलने को तैयार नहीं होते थे, लेकिन इंजीनियर राजेश कुमार के आने के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया है - अब ऑनलाइन शिकायतों से लेकर सीधे कार्यालय आने वाले हर फरियादी की गंभीरता से सुनवाई हो रही है - हालांकि विभाग में जनसुनवाई के लिए अलग-अलग काउंटर और ऑनलाइन व्यवस्था पहले से संचालित है- पूरे जनपद में अलग अलग जगहों पर 04 काउंटर बने है जहां फरियादी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है- लेकिन मुख्य क्षेत्रीय अभियंता के कार्यालय में हर समय जनता की भीड़ यह साबित कर रही है कि लोगों को अब भरोसा मिलने लगा है - खास बात यह है कि उनके कार्यालय पर जनसुनवाई का कोई तय समय नहीं है - सुबह हो या देर शाम, जरूरतमंद उपभोक्ताओं के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं - इंजीनियर राजेश कुमार का कहना है कि अधिकारी जनता की सेवा के लिए नियुक्त किए जाते हैं, इसलिए समय की बंदिश लगाकर लोगों की परेशानी बढ़ाना उचित नहीं - उनका साफ कहना है कि यदि किसी व्यक्ति को समय पर न्याय और समाधान नहीं मिलता तो वही समस्या उसके लिए सबसे बड़ा अन्याय बन जाती है। शायद यही वजह है कि आज उनका कार्यालय सिर्फ एक सरकारी दफ्तर नहीं, बल्कि परेशान जनता के लिए उम्मीद का दरबार बनता जा रहा है- पीड़ितों का समय पर निस्तारण होने के कारण आज घण्टाघर बिजली विभाग में भीड़ खत्म हो गयी है इसका मुख्य कारण है इंजीनियर राजेश कुमार द्वारा छोटी छोटी शिकायतों का भी समय पर निस्तारण कराना और उनकी पीड़ा को प्राथमिकता से सुना है।

पहासू में मनायी श्रीमंत मल्हार राव होल्कर की पुण्यतिथि

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू। पहासू कस्बा के छतारी पहासू रोड स्थित प्रेम गार्डन मे मल्हार राव होलकर की पुण्यतिथि मनाई गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश मंत्री चन्द्रमोहन ने बताया कि इंदौर राज्य और होलकर राजवंश के संस्थापक, महान मराठा सेनापति श्रीमंत मल्हारराव होलकर की पुण्यतिथि हर वर्ष 20 मई को मनाई जाती है वे मालवा क्षेत्र के पहले मराठा सूबेदार थे उन्होंने अपने अदम्य साहस से मराठा साम्राज्य के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 52 युद्धों में विजय प्राप्त की उनके पुत्र खंडेराव होलकर की असमय मृत्यु के पश्चात, उन्होंने अपनी पुत्रवधू देवी अहिल्याबाई होलकर को प्रशासनिक कार्यों में प्रशिक्षित किया और उन्हें राज्य का उत्तराधिकारी बनाया उनकी मृत्यु के बाद उनकी पुत्रवधू देवी अहिल्याबाई होलकर ने मध्य प्रदेश के भिंड जिले के आलमपुर में उनकी स्मृति में एक ऐतिहासिक छत्री का निर्माण करवाया था मल्हार राव होल्कर के इकलौते बेटे खंडेराव होलकर की मृत्यु में भरतपुर राज्य के जाट महाराजासूरज मल के खिलाफ कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान हो गई थी।

अवैद्य चाकू नाजायज शराब संबंधित 2 मुकदमे दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलन्दशहर। स्याना पुलिस ने 2 अलग-अलग व्यक्तियों से अवैद्य शराब व नाजायज चाकू बरामद करते हुए उनके विरुद्ध सक्षम धाराओं में मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस उपनिरीक्षक मनीष यादव ने गढ़मुक्तेश्वर निवासी महताब के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है कि महताब 1 अवैद्य चाकू सहित बुलंदशहर रोड से चांदपुर बंबे की तरफ पकड़ लिया गया। महताब के विरुद्ध दर्ज किए गए मुकदमे की विवेचना उपनिरीक्षक हासिम अली करेंगे। उपनिरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने स्याना की पट्टी हरनाम सिंह निवासी फैमुद्दीन उर्फ फईम के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60/3 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। एस आई शैलेंद्र सिंह के अनुसार फैमुद्दीन पशु पैंठ पुलिया पाखड़ के पेड़ के निकट 19 पव्वे नाजायज शराब के साथ पकड़ा गया। फैमुद्दीन के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की विवेचना उपनिरीक्षक ब्रजगोपाल सोलंकी करेंगे।

खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं: नीरजा शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

राजाखेड़ा धौलपुर राजस्थान। भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा बुधवार को राजाखेड़ा क्षेत्र के शाहपुरा शाला गांव में पहुंची जहां उन्होंने युवाओं के द्वारा कराए जा रहे भव्य सिकरवार क्रिकेट प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का फीता काटकर शुभारंभ किया और युवाओं को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और दो टीमों का टॉस कराकर मैच का शुभारंभ किया।

शुभारंभ के दौरान भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए युवाओं को अधिकतर खेलो में हिस्सा लेना चाहिए, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए विभिन्न खेलों को बढ़ावा दे रहे हैं जिससे युवा अपने सपने पूरे कर सकें और आगे वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकें, शर्मा ने कहा कि 2008 से देश में आईपीएल जैसे अन्य टूनार्मेंट का आगाज हुआ है तब से बच्चों के लिए रास्ते खुले हैं और अब हर एक युवा अपने सपने के किए दृढ़ संकल्पित होकर मेहनत कर रहा है, शर्मा ने कहा कि नई पीढ़ी को मोबाइल टीवी स्क्रीन से दूर होना होगा और भौगोलिक विकास के लिए खेलों पर ध्यान देना होगा, उसी के चलते यहां एक भव्य प्रतियोगिता का आयोजन गांव के युवाओं द्वारा किया जा रहा है यह एक अच्छा संदेश है और अपने सपनों को पूरा करने का मंच भी है। शर्मा ने अभिषेक सिकरवार, श्यामवीर सिकरवार, सुरेश सिकरवार, राकेश सिकरवार, सिव्वो सहित अन्य कमेटी सदस्यों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में इस दौरान राजकुमार सिकरवार, बबलू पोशवाल, हरिसिंह गुर्जर, श्याम गिरी, एदल सिंह तोमर, तिलक गुर्जर मनियां मंडल अध्यक्ष रामवतार त्यागी, बबलू कटारा, रामसेवक मुद्गल सहित अन्य मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा बबीता चौहान के पिता का हुआ निधन

स्वर्गीय रामपाल सिंह का पार्थिव शरीर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान हेतु स्वेच्छा से किया गया दान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर मानवता, सेवा एवं सामाजिक जागरूकता की अनुपम मिसाल प्रस्तुत करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा बबीता सिंह चौहान के पूज्य पिता स्वर्गीय रामपाल सिंह का पार्थिव शरीर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान हेतु स्वेच्छा से दान किया गया। यह प्रेरणादायक एवं भावनात्मक निर्णय पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है तथा समाज के लिए एक महान संदेश बनकर उभरा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वर्गीय रामपाल सिंह, पैतृक गांव खखूड़ा तहसील शिकारपुर हाल निवासी- पहासू रोड, शिकारपुर, बुलंदशहर, का निधन दिनांक 20 मई 2026 को हुआ। उनके निधन के पश्चात उनके पुत्र अरविंद चौधरी ने अपने पिता के उच्च मानवीय संस्कारों, समाजसेवा एवं जनकल्याण की भावना को साकार रूप देते हुए अत्यंत संवेदनशील एवं प्रेरणादायक निर्णय लिया।

उन्होंने स्वर्गीय रामपाल सिंह का पार्थिव शरीर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बुलन्दशहर एवं कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, बुलन्दशहर के प्राचार्य को चिकित्सा शिक्षा, अध्ययन एवं शोध कार्य हेतु सौंपा, ताकि उनका जीवन समाप्त होने के बाद भी मानवता की सेवा निरंतर जारी रह सके।

देहदान जैसे महान एवं पुण्य कार्य को समाज में अत्यंत सम्मान एवं गौरव की दृष्टि से देखा जा रहा है। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने अरविंद चौधरी एवं उनके परिवार के इस सराहनीय निर्णय की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कदम न केवल मानवता की सच्ची सेवा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देगा।

मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों एवं शोध कार्यों के लिए यह योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सिद्ध होगा। स्वर्गीय रामपाल सिंह ने अपने जीवन एवं अपने अंतिम निर्णय के माध्यम से यह संदेश दिया है कि व्यक्ति मृत्यु के पश्चात भी मानवता की सेवा कर सकता है। देहदान के माध्यम से वे आने वाले समय में भी लोगों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे और अपने जीवन के बाद भी सदैव अमर एवं जीवित रहेंगे। उनका यह प्रेरणादायक योगदान समाज को सेवा, परोपकार एवं जागरूकता की राह दिखाता रहेगा

जहाँ एक ओर स्वर्गीय रामपाल सिंह के देहदान के इस महान निर्णय की क्षेत्र भर में सराहना की जा रही है, वहीं दूसरी ओर माननीय बबीता सिंह चौहान सहित समस्त परिवार अपने पूज्य पिता के निधन से गहरे शोक में डूबा हुआ है।

इस दौरान जिलाधिकारी एवं एस.एस.पी.बुलंदशहर भी अपनी संवेदनाओं सहित मौके पर उपस्थित रहे तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना प्रदान की। क्षेत्रवासियों एवं शुभचिंतकों ने स्वर्गीय रामपाल सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मगरमच्छ ने 14 वर्षीय बच्ची को बनाया शिकार

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। जिले से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां चंबल नदी में मगरमच्छ के हमले से 14 साल की एक मासूम बच्ची की जान चली गई। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है, वहीं ग्रामीणों में मगरमच्छों के बढ़ते खतरे को लेकर भारी दहशत और आक्रोश है। घटना बुधवार की है, जब राजघाट गांव निवासी दीनदयाल की 14 वर्षीय पुत्री भारती रोज की तरह अपने मवेशियों को पानी पिलाने चंबल नदी पर गई थी। बताया जा रहा है कि मवेशियों को पानी पिलाने के बाद जब वह अपनी भैंस को नदी से बाहर निकाल रही थी, तभी पानी में छिपे मगरमच्छ ने अचानक हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मगरमच्छ ने बच्ची को पकड़कर नदी के अंदर खींच लिया। मौके पर मौजूद दो अन्य बच्चियों ने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया और भारती को बचाने की कोशिश भी की, लेकिन मगरमच्छ के सामने उनकी हर कोशिश बेबस साबित हुई। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद बच्ची को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़ाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। भारती की मौत हो चुकी थी। इस दर्दनाक घटना को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। सूचना मिलते ही चंबल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस हादसे के बाद राजघाट और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने, चेतावनी बोर्ड लगाने और मगरमच्छों के खतरे से बचाव के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

क्षत्रिय महासभा का फूटा आक्रोश, राजा भईया के सम्मान में उतरे अधिवक्ता व समर्थक

विजय द्विवेदी

प्रतापगढ़(वेलकम इंडिया)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक के खिलाफ सोशल मीडिया पर की जा रही अशोभनीय, अमर्यादित एवं अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर आज प्रतापगढ़ में भारी आक्रोश देखने को मिला। क्षत्रिय महासभा से जुड़े अधिवक्ताओं एवं समाज के गणमान्य लोगों ने पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी प्रतापगढ़ को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि दीपक केदार एवं कुछ हिन्दू विरोधी मानसिकता वाले व्यक्तियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार अभद्र भाषा का प्रयोग कर समाज में वैमनस्य फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। इसे लेकर क्षत्रिय समाज में भारी रोष व्याप्त है।

धर्मराज सिंह उर्फ लल्लू बाली एडवोकेट ने कहा 'राजा भईया सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और सम्मान का प्रतीक हैं। सोशल मीडिया पर अभद्र और अशब्द भाषा का प्रयोग कर कुछ लोग समाज में जहर घोलने का प्रयास कर रहे हैं। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सामाजिक सौहार्द और सम्मान के साथ खिलवाड़ करने का दुस्साहस न कर सके।' जनपद प्रतापगढ़ में भी कुछ हिन्दू विरोधी मानसिकता वाले नेता हैं उनके ऊपर भी कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। इस दौरान क्षत्रिय महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मराज सिंह एडवोकेट, अजय सिंह एडवोकेट, बाला जी ओझा एडवोकेट, बृजेश मिश्रा एडवोकेट, अवनीश सिंह एडवोकेट, आलोक सहित बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि समाज एवं जननेताओं की गरिमा पर हमला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

यूनिवर्सल एकेडमी में कक्षा नर्सरी से कक्षा यूकेजी तक के बच्चों की पूल पार्टी का आयोजन किया

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। गर्मी से निजात पाने के लिए यूनिवर्सल एकेडमी में कक्षा नर्सरी से कक्षा यूकेजी तक के बच्चों की पूल पार्टी का आयोजन किया गया। गर्मी का मौसम मस्ती करने के लिए सबसे अच्छा होता है इसलिए,गर्मी से बचने के लिए, यूनिवर्सल एकेडमी बिजनौर के नन्हे मुन्नों बच्चों के लिए स्प्लैश पूल पार्टी का आयोजन किया गया। प्री प्राइमरी विंग के सभी बच्चों ने पानी में छप छप करके गर्मी से बचने का फैसला किया और खूब मौज ऋ मस्ती की। इस गतिविधि ने उनके चेहरों पर मुस्कान ला दी,इसीलिए जब उन्हें पानी में डुबकी लगाने की अनुमति दी गई तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस गतिविधि का आयोजन कॉर्डिनेटर फराह गतिविधि प्रभारी , नर्सरी विभाग की टीचर्स प्राची, आकांक्षा, शिल्पा, प्रियंका, मिली, राखी के द्वारा किया गया था। मनमोहक साज सजावट नितिन चौधरी व उनकी टीम के द्वारा की गई। बच्चों ने पूल पार्टी में जहां तैराकी की वहीं आज डांस टीचर ओ३म सर के साथ ब्लू है पानी पानी आदि गानों पर जमकर थिरके । साथ ही पूल पार्टी में जमकर लुत्फ उठाया। बच्चों को फन गेम भी कराए गए। बच्चों ने रंगीन छाते व चश्मा लगाकर रेन डांस भी किया । सभी बच्चों ने खाने का लुत्फ उठाया जिसमें मैक्रोनी,पास्ता,चाउमीन, कोल्ड ड्रिंक के मजे लिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी व उप प्रधानाचार्य खुशबू कर्णवाल ने बताया कि बच्चों को तपती गर्मी से राहत दिलाने के लिए इस एक्टिविटी का आयोजन किया गया, और बच्चों को शिक्षा के साथ साथ अन्य कार्यक्रमों में प्रतिभाग करना चाहिए। इससे बच्चों के मानसिक व शारीरिक दोनों का विकास होता है ।

यातायात प्रभारी अमित तोमर का बड़ा एक्शन, पटाखा बुलेट और हूटरबाजों पर चला कानून का हंटर

डेढ़ लाख जुमार्ना, कई वाहन सीज; कार्रवाई से मचा हड़कंप

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर शहर की यातायात व्यवस्था को बिगाड़कर सड़कों को दहशत और शोर का अखाड़ा बनाने वालों के खिलाफ अब पुलिस पूरी ताकत से मैदान में उतर चुकी है- मंगलवार रात्रि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक यातायात शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में यातायात प्रभारी अमित तोमर ने ऐसा सख्त अभियान चलाया, जिसने नियम तोड़ने वालों में हड़कंप मचा दिया- मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखों जैसी आवाज निकालने वाले बुलेट चालकों, प्रेशर हार्न और हूटर बजाकर सड़क पर आतंक फैलाने वालों को यातायात पुलिस ने मौके पर ही कानून का असली मतलब समझा दिया- संघन चेकिंग अभियान में 15 पटाखा बुलेट वाहनों के चालान करते हुए डेढ़ लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना लगाया गया, जबकि 2 वाहनों को सीज कर दिया गया- शराब पीकर वाहन चलाने वाले 2 अन्य वाहन चालकों पर भी सीज की कार्रवाई हुई- यातायात प्रभारी अमित तोमर की आक्रामक कार्यशैली ने साफ कर दिया है कि अब सहारनपुर की सड़कों पर लापरवाही, स्टंटबाजी और शोरगुल की गुंडागर्दी नहीं चलेगी- यह अभियान केवल चालान नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा बचाने का मिशन बन चुका है- यातायात पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि भविष्य में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जीवन आशा हॉस्पिटल एवं पुनर्वास केंद्र का सप्तम स्थापना दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया

मानवता का मंदिर है,जीवन आशा हॉस्पिटल-सौरभ सागर मुनिराज

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गंगनहर पर स्थापित श्री दिगम्बर जैन मंशापूर्ण महावीर क्षेत्र जीवन आशा हॉस्पिटल एवं पुनर्वास केंद्र का 20 मई 2026 कों सप्तम स्थापना दिवस परम्पूज्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदन्त सागर जी मुनिराज के सुयोग्य शिष्य जैनाचार्य श्री सौरभ सागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में बड़े हर्ष उल्लास और धूम धाम के साथ मनाया गया।

प्रातः कालीन दूर दूर से पधारे श्रावकों ने सुप्रभात भक्ति करते हुए महाअतिशय कारी, 1200 वर्ष प्राचीन मूलनायक श्री मंशापूर्ण महावीर स्वामी का अभिषेक एवं शांतिधारा की, मंशापूर्ण महावीर स्वामी की वर्ष में 4बार शांतिधारा की जाती है जिसमे एक 20 मई का दिन है जिस दिन जीवन आशा हॉस्पिटल का शुभारंम किया गया था। मूलनायक मंशापूर्ण महावीर स्वामी का प्रथम अभिषेक राजेन्द्र जैन नितिन जैन, विश्वास नगर दिल्ली, दूध कलश अभिषेक पवित्र जैन दिल्ली, केशर कलश अभिषेक प्रदीप जैन गाजियावाद, शांतिधारा पोमिल जैन देहरादून एवं सुबोध जैन, दिल्ली कों सौभाग्य प्राप्त हुआ।

वही देश की विभिन्न राज्यों से पधारे श्रावको ने मूलनायक भगवान का अभिषेक किया एवं पूजन विधान भी किया। तत्पश्चात जैनाचार्य श्री सौरभ सागर जी मुनिराज के सान्निध्य में सौरभ सागर सेवा संस्थान जीवन आशा परिवार के समस्त ट्रस्टियों ने एवं मुख्य अतिथि नरेंद्र कश्यप (राज्य मंत्री -दिव्यांगजन सशक्तिकरण, राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार) बृजेश सिंह (पूर्व MLC पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार) एवं अनेक श्रावक श्रेष्ठियो ने जीवन आशा हॉस्पिटल के प्रांगण मैं जीवन आशा कैंसर बिंग जिसमे प्राइवेट रूम सेमी प्राइवेट रूम का लोकार्पण किया गया।तत्पश्चात 'गुरु पुष्पदन्त सभाग्रह' मैं सप्तम स्थापना दिवस का शुभारम्भ हुआ जिसमे सर्वप्रथम मंगलाचरण मंशापूर्ण महावीर महिला मंडल गाजियाबाद द्वारा किया गया एवं चित्र अनावरण दीप प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया एवं मुख्य अतिथि नरेंद्र कश्यप ने कहा की:- पूज्य आचार्य श्री सौरभ सागर जी की प्रेरणा से जीवन आशा हॉस्पिटल बहुत महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहें है जिसमे समाज हित और मानव हित के लिए कार्य कर रहा है मै ऐसे कार्य की बहुत बहुत अनुमोदना करता हुँ एवं सरकार इस कार्य की भूरी भूरी प्रसंसा करती है।

बृजेश सिंह जी ने कहा की :- जैन धर्म के 24 तीर्थकर का जन्म क्षत्रिय कुल में हुआ था और आज जो कार्य जैन समाज कर रही है वह बहुत महत्वपूर्ण है जैसे पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा से जीवन आशा हॉस्पिटल का निर्माण हुआ जो मानवता के लिए एक वरदान है।

जीवन आशा हॉस्पिटल के चैयर मैंन अशोक जैन सीए ने भी अपनी बात की एवं संजय जैन ने जीवन आशा के 7 वर्षों का सफर स्त्रस्त्र३ के माध्यम से बताया कार्यक्रम का संचालन पंडित संदीप जैन सजल ने किया कार्यक्रम में विभिन्ननगरों से पधारे गुरुभक्तो ने 2026 के वषार्योग हेतु श्रीफल समर्पित किया जिसने सरधना, मेरठ, बलवीर नगर दिल्ली, विवेक विहार दिल्ली, देहरादून, मुजफ्फरनगर, बड़ौत, गाजियावाद, दिल्ली आदि से गुरुभक्त पधारे पूज्य गुरुदेव श्री सौरभ सागर जी ने कहा की :- जीवन आशा हॉस्पिटल मानवता का मंदिर है क्योंकि श्री मंशापूर्ण महावीर क्षेत्र पर दवा व दुआ का अद्धभुत संगम है जहाँ रोते रोते आने वाला हसते हसते जाता है और अपने चेहरे पर एक मधुर मुस्कान लेकर जाता है क्योंकि उसको जीवन आशा से नया जीवन प्राप्त हुआ है ।

कार्यक्रम में अशोक जैन सी ए, जम्बूप्रसाद जैन (अध्यक्ष सौरभ सागर सेवा संस्थान एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी), आर. सी. जैन, अमित जैन मेडिकल, सतीश जैन भगत जी, मनोज जैन मेरठ, सुकांत जैन, संजय जैन, पंकज जैन, गौरव जैन सीए,राहुल जैन सीए, रिंकू जैन, अनुज जैन, संजीव जैन बिट्ठू,अजय जैन, कमलकांत जैन,अशोक गोयल आदि समस्त ट्रस्टी, परम् संरक्षक, संरक्षक, आजीवन सदस्य एवं डॉक्टर एवं समस्त स्टॉफ का सहयोग रहा।

बैठक में श्रमिक उत्थान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसडीएम मोदीनगर द्वारा आहूत बैठक में श्रमिक उत्थान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बैठक में विशेष रूप से श्रमिकों के आवास, विद्युत व्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। श्रमिक उत्थान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रमिक परिवार लंबे समय से आवास संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कई स्थानों पर बिजली कनेक्शन, अनियमित आपूर्ति तथा खराब विद्युत व्यवस्था के कारण श्रमिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पदाधिकारियों ने प्रशासन से इन समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की।

बैठक के दौरान ट्रस्ट प्रतिनिधियों ने कहा कि श्रमिक वर्ग समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की कि श्रमिक बस्तियों में नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा जरूरतमंद परिवारों के आवास संबंधी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। एसडीएम मोदीनगर ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि श्रमिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी और संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में श्रमिक हितों से जुड़े कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

ट्रस्ट पदाधिकारियों ने प्रशासन के समक्ष श्रमिकों की आवाज प्रभावी ढंग से उठाने की बात कही तथा भविष्य में भी श्रमिक हितों के लिए लगातार कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

दलित समाज के निरस्त पट्टों को लेकर सपा नेताओं ने प्रशासन को घेरा, आंदोलन की चेतावनी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम तल्हेटा में दलित समाज के निरस्त किए गए लगभग 120 पट्टों के विषय में समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष देवव्रत धामा एवं विधानसभा उपाध्यक्ष राजेश जाटव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपजिलाधिकारी मोदीनगर से मिले।ग्रामीण नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुंचे और प्रशासन के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराया। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि संबंधित पत्रावलियां नहीं मिल रही हैं तथा कुछ ग्रामीणों को यह भी कहा गया कि कागजात छिन्न-भिन्न हो चुके हैं और रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। इसी आधार पर इन पट्टों को अवैध कब्जा बताते हुए भूमि खाली करने की बात कही जा रही है।

गौरतलब है कि उक्त पट्टे वर्ष 1976 में विधिवत रूप से आवंटित किए गए थे और दशकों से दलित परिवार उन जमीनों पर निवास एवं खेती करते आ रहे हैं। इस दौरान देवव्रत धामा ने प्रशासन पर दलित समाज के साथ धोखाधड़ी कर उनकी जमीनें हड़पने का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने गरीब दलित परिवारों के साथ अन्याय बंद नहीं किया तो समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर तहसील तक बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी।

देवव्रत धामा ने सभी पट्टा धारकों से अपील करते हुए कहा कि वे कल अपने-अपने उपलब्ध कागजातों के साथ तहसील पहुंचें ताकि प्रशासन के सामने सच्चाई रखी जा सके और गरीब परिवारों के अधिकारों की रक्षा की जा सके।इस अवसर पर देवीशरण जाटव, शशिभूषण जाटव, भीम सिंह जाटव, नरेश कुमार जाटव, विनोद कुमार, राजपाल प्रधान जी, वेदपाल जाटव, सचिन जाटव, राहुल जाटव, अमन सिंह, बॉबी जाटव, यादराम मास्टर जी, गजराज जाटव, हुकम सिंह जाटव, मनोज जाटव, देवेंद्र जाटव, आशे राम जाटव, कांति, सत्य प्रकाश जाटव, अतर सिंह, सुदेश जाटव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन जारी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मानदेय न मिलने से नाराज एनएचएम संविदा कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। यूपी एनएचएम संविदा कर्मचारी संघ की जिला अध्यक्ष हिमानी कौशिक एवं जिला महासचिव डॉ. चेतन वर्मा ने बताया कि जब तक कर्मचारियों के खाते में वेतन नहीं आ जाता, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

यदि 20/05/2026 तक वेतन का भुगतान नहीं हुआ तो 21/05/2026 से समस्त संविदा कर्मचारी कार्य बहिष्कार करेंगे। जनहित में इमरजेंसी सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

डिलीवरी कंपनी के राइडर्स ने लगाया उत्पीड़न का आरोप, प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र में कार्यरत एक डिलीवरी कंपनी के राइडर्स ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन से न्याय की मांग की है। राइडर्स ने संयुक्त रूप से एक प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि एक व्यक्ति द्वारा कथित रूप से उनके साथ अभद्र व्यवहार, धमकी एवं आर्थिक दबाव बनाया जा रहा है। राइडरों का कहना है कि उनसे हर माह धनराशि की मांग की जाती है तथा मांग पूरी न होने पर उनकी आईडी बंद कराने की धमकी दी जाती है।

आरोप यह भी है कि विरोध करने वाले कुछ राइडरों की आईडी बंद करा दी गई, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया है कि पिछले दो दिनों से कुछ राइडरों ने विरोध स्वरूप कार्य बंद रखा है। राइडरों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

राइडरों का कहना है कि वे मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं और इस प्रकार की घटनाओं से उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा एवं न्याय दिलाने की अपील की है। इस संबंध में सभी राइडरों ने संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि राइडरों को राहत मिल सके और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बताया जा रहा है कि प्रशासन द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर जांच की प्रक्रिया शुरू किए जाने की संभावना है।फिलहाल संबंधित पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मोदीनगर में दवा विक्रेताओं का बंद रहा अभूतपूर्व सफल,सभी मेडिकल स्टोर रहे बंद

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दवा विक्रेताओं की संस्था आल इंडिया आगेर्नाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट द्वारा ऑनलाइन दवा की बिक्री के खिलाफ 20 मई को आल इंडिया मेडिकल स्टोर की हड़ताल मोदीनगर में पूर्ण सफल रही, सभी दवा की दुकाने बंद रही, इस बंद को सफल बनाने में अध्यक्ष अविनाश शर्मा की पिछले सप्ताह से लगातार जारी प्रयासों का अहम योगदान रहा।देश में दवाओं की ऑनलाइन बिक्री, व ऑनलाइन बिक्री की अनेको विसंगतियों के विरोध में इस बंद का आह्वान किया गया था। मोदीनगर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अविनाश शर्मा ने बताया कि दवाओं की ऑनलाइन बिक्री, दामों में भारी डिस्काउंट व नकली दवाओं से देश को बचाने व सरकार का इन मुद्दों पर ध्यानाकर्षित करने के लिए ही दवा विक्रेताओं की देशव्यापी संस्था आल इंडिया आगेर्नाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर इस देशव्यापी बंद का आह्वान किया गया था। जिसमे मोदीनगर के सभी दवा विक्रेताओं ने शामिल होकर अपने अपने मेडिकल स्टोर बंद रखकर बंद को पूर्णतः सफल बनाया।

बालाजी मंदिर में हनुमान चालीसा केंद्र का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वावधान में नवीन हनुमान चालीसा केंद्र का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रदेश महामंत्री गौरव राघव मौजूद रहे। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय बजरंग दल के तहसील अध्यक्ष देवेंद्र सैन द्वारा किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि गौरव राघव ने उपस्थित सभी हिंदुओं से कहा कि जातिगत भेदभाव भुलाकर ₹पहले मैं हिंदू हूं₹का संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि हम किसी भी जाति से हों, पर हमारी पहली पहचान हिंदू है।

उपस्थित सभी लोगों ने इस संकल्प को दोहराया। राघव जी ने बताया कि डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया के संकल्प के अनुसार संपूर्ण देश में 1लाख हनुमान चालीसा केंद्र खोले जा रहे हैं।ये केंद्र केवल पाठ के स्थान नहीं, बल्कि गरीब हिंदू परिवारों के लिए रोटी, सुरक्षा एवं चिकित्सा उपलब्ध कराने वाले सेवा केंद्र होंगे। राष्ट्रीय बजरंग दल के तहसील अध्यक्ष देवेंद्र सैन ने बताया कि यह केंद्र मोदीनगर क्षेत्र के गरीब हिंदू परिवारों को अनाज व सुरक्षा प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल का विजन संपूर्ण विश्व के हिंदुओं को एक मंच पर लाकर सुरक्षा व समृद्धि देना है। हनुमान चालीसा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर अंशुल , मनोज,जागृति गुप्ता,विष्णु, गरिमा,दीपू,विष्णु जेशवाल , नितेश जेशवाल,गंगा,अंजलि, पूजा,(गोल्ड मेडलिस्ट साक्षी) ममता, दीपा, रवि सागर ,नीटू ,राजबाला ,रामआसरे, प्राची,नित्या,वीरेंद्र,हर्ष,कुलदीप,नोनू,स।चिन,सौरभ,अंश वंश,शुभ,कान्हा, वेदांत आदि की उपस्थित रही।

भीषण अग्निकांड पर फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई, 12 गाड़ियों की मदद से आग पर पाया गया पूर्ण नियंत्रण

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। बुधवार को समय 04:02 बजे फायर स्टेशन कोतवाली पर सूचना प्राप्त हुई कि ओमेगा प्रिंट पैक्स, ई–77/2, बी एस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया गाजियाबाद स्थित फैक्ट्री में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली से अग्निशमन अधिकारी कोतवाली सहित सभी फायर टेंडर तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर फैक्ट्री में भीषण आग एवं घना काला धुआं उठता हुआ पाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी, गाजियाबाद के नेतृत्व में फायर सर्विस यूनिट द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए चार हौज पाइप फैलाकर पंपिंग के माध्यम से आग बुझाने का कार्य प्रारंभ किया गया। आग की तीव्रता को देखते हुए दीवार तोड़कर भी अग्निशमन कार्य किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जनपद के सभी फायर स्टेशनों से अतिरिक्त फायर टेंडर मौके पर बुलाए गए। साथ ही गौतमबुद्धनगर एवं हापुड़ जनपद से भी फायर यूनिट को सहायता हेतु बुलाया गया। फायर सर्विस कर्मियों द्वारा कड़ी मशक्कत एवं समन्वित प्रयासों से लगभग 01 घंटे के भीतर कुल 12 फायर गाड़ियों की सहायता से आग पर पूर्ण रूप से नियंत्रण पा लिया गया। तत्पश्चात आसपास स्थित अन्य फैक्ट्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। गोदाम/फैक्ट्री मालिक का नाम शिवांश चौधरी बताया गया है।

बिजली संकट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा: बयाना गांव में प्रदर्शन के बाद सड़क जाम, पुलिस ने संभाला मोर्चा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना वेव सिटी क्षेत्र के बयाना गांव में लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश बुधवार को खुलकर सामने आ गया। बिजली आपूर्ति बाधित होने से नाराज ग्रामीण पहले स्थानीय बिजलीघर पहुंचे, जहां उन्होंने जोरदार प्रदर्शन करते हुए अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की और जल्द समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर पहुंच गए और जाम लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया। सड़क जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ और क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि वेव सिटी जैसे पॉश क्षेत्रों में नियमित रूप से बिजली आपूर्ति की जा रही है, जबकि बयाना गांव लगातार बिजली कटौती की समस्या से जूझ रहा है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से बिजली की समस्या बनी हुई है और कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार बिजली कटौती के कारण गर्मी के मौसम में लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। घरेलू कामकाज से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित हो रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

सड़क जाम और प्रदर्शन की सूचना मिलते ही थाना वेव सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालने में जुट गई। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाने की कोशिश की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। वहीं पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी हालात सामान्य बनाए रखने में जुटे रहे। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बरकरार है।

कूटरचित दस्तावेजों से वाहन बिक्री करने वाला गिरोह बेनकाब – एक वांछित आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा धोखाधड़ी कर वाहनों के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उन्हें बेचने वाले गिरोह के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और मुखबिर तंत्र की सटीक सूचना के आधार पर की गई। प्रकरण में वादी श्री सामीनाथन द्वारा 07.03.2026 को दी गई तहरीर के आधार पर आरोप लगाया गया था कि अभियुक्तगण द्वारा आपराधिक षड्यंत्र रचकर चोरी एवं वित्तीय संस्थानों के अधीन हाइपोथिकेटेड वाहनों के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उन्हें धोखाधड़ी से बेचा गया। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर थाना कौशाम्बी पर संबंधित धाराओं 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई कार्रवाई के क्रम में आज दिनांक 20.05.2026 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त आदेश सिंह पुत्र शिवरतन सिंह, निवासी मुडगांव गौसिंहपुर, थाना मोहम्मदाबाद, जनपद फरुर्खाबाद, उम्र लगभग 29 वर्ष को सार्वजनिक शौचालय, आनंद विहार बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया गया।

स्मार्ट पुलिसिंग की नई पाठशाला: गाजियाबाद में 1393 रिक्रूट आरक्षियों को मिला आधुनिक पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा और जनसेवा का विशेष प्रशिक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। बदलते समय के साथ पुलिसिंग के स्वरूप में भी तेजी से परिवर्तन हो रहा है। पारंपरिक पुलिस व्यवस्था से आगे बढ़ते हुए अब तकनीकी दक्षता, संवेदनशील व्यवहार, साइबर जागरूकता और नागरिक केंद्रित कार्यशैली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में कमिश्नरेट गाजियाबाद ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभिन्न थानों में नियुक्त 1393 रिक्रूट आरक्षियों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन थाना नंदग्राम क्षेत्र स्थित क्राइस्ट यूनिवर्सिटी सभागार में किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नव-नियुक्त आरक्षियों को आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी संसाधनों, व्यवहारिक कार्यप्रणाली और वर्तमान समय की जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के साथ हुई, जबकि शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात राजकरन नैय्यर ने किया। प्रशिक्षण के दौरान कमिश्नरेट गाजियाबाद के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने पुलिस कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी और आरक्षियों को फील्ड स्तर पर आने वाली चुनौतियों से निपटने के व्यावहारिक तरीके बताए।

बीट पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण पर विशेष जोर

पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने रिक्रूट आरक्षियों को बीट प्रणाली, बीट पुलिस अधिकारी के दायित्व, अपराध नियंत्रण में तकनीकी संसाधनों के उपयोग और नागरिक संपर्क व्यवस्था के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीट पुलिसिंग का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों से सीधा संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना और क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को मजबूत बनाना है। उन्होंने अपराध नियंत्रण के लिए यक्ष ऐप, वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा योजना और सत्यापन कार्यों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। साथ ही बताया कि प्रभावी पुलिसिंग के लिए स्थानीय स्तर पर मजबूत नेटवर्क और जनसहयोग आवश्यक है।

पुलिस आयुक्त ने दिया जनसेवा और संवेदनशीलता का संदेश

कार्यक्रम के अंत में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध केशव कुमार चौधरी ने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग में तकनीकी दक्षता और संवेदनशीलता का संतुलन बेहद जरूरी है। वहीं पुलिस आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस का मूल उद्देश्य समाज में शांति, सौहार्द और भयमुक्त वातावरण स्थापित करना है। उन्होंने आरक्षियों से अनुशासन, सहनशीलता, सहानुभूति, क्षमा और संतोष जैसे गुणों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुलिस केवल अपराधियों को पकड़ने वाली संस्था नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा का वातावरण बनाने वाली सेवा संस्था भी है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य के पुलिसकर्मियों को आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

वीआईपी ड्यूटी के दौरान सतर्कता और अनुशासन का संदेश

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकरन नैय्यर ने वीवीआईपी और वीआईपी ड्यूटी के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल, जिम्मेदारियों और व्यवहार संबंधी मानकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसी ड्यूटी अत्यंत संवेदनशील होती है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। आरक्षियों को वीआईपी मूवमेंट के दौरान स्थिर और मोबाइल प्वाइंट्स पर ड्यूटी, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के बारे में प्रशिक्षित किया गया। साथ ही जनता के साथ सहयोगात्मक और विनम्र व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

भीड़ प्रबंधन और कानून व्यवस्था की रणनीति सिखाई गई

अपर पुलिस उपायुक्त अपराध पीयूष कुमार सिंह ने त्योहारों, मेलों, धार्मिक यात्राओं, जुलूसों और सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भीड़ नियंत्रण एवं प्रबंधन पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि बड़े आयोजनों में भीड़ नियंत्रण पुलिस की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है और किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर परिणाम दे सकती है। प्रशिक्षुओं को आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेने, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई।

सोशल मीडिया, राजस्व और साइबर जागरूकता पर भी प्रशिक्षण

एसीपी वेव सिटी प्रियाश्रीपाल ने उत्तर प्रदेश पुलिस की सोशल मीडिया नीति की जानकारी दी। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने राजस्व संबंधी शब्दावली पर प्रशिक्षण दिया, जबकि साइबर थाना प्रभारी संतोष तिवारी ने साइबर अपराधों और डिजिटल सुरक्षा को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अपराधी इंटरनेट, सोशल मीडिया और मोबाइल एप्स का उपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। इससे बचने के लिए मजबूत पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और संदिग्ध लिंक से बचाव जरूरी है।

आंदोलनों के दौरान संवेदनशील पुलिसिंग पर जोर

पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल ने किसान आंदोलन, श्रमिक आंदोलन, छात्र आंदोलन और अन्य कानून व्यवस्था ड्यूटी के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और यातायात बाधित होने जैसी परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई आवश्यक हो जाती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को कानून व्यवस्था बनाए रखने के दौरान संयम, धैर्य और संवेदनशीलता अपनाने की सीख दी।

वित्तीय साक्षरता और साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी

कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भूपेन्द्र हाडा ने वित्तीय साक्षरता पर विशेष सत्र लिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर पुलिसकर्मी के लिए वित्तीय जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन लोन ट्रैप, फर्जी निवेश योजनाएं, पोंजी स्कीम, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और डिजिटल भुगतान से जुड़ी सावधानियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन, बचत, बीमा, निवेश और बैंकिंग सुरक्षा पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

महिला सुरक्षा और मिशन शक्ति की जानकारी

अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल राजेश कुमार ने महिला संबंधी अपराधों जैसे घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन अपराध, पॉक्सो, साइबर स्टॉकिंग और मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिला संबंधी शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ होना चाहिए।

अनुशासन और व्यवहार को बताया पुलिस की पहचान

सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने ऑन ड्यूटी और ऑफ ड्यूटी व्यवहार, अनुशासन, वर्दी की गरिमा और निजी जीवन में भी पुलिस की छवि बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर पुलिसकर्मी 24 घंटे पुलिस विभाग का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए निजी जीवन में भी अनुशासन जरूरी है। वहीं एसीपी अपराध अमित सक्सेना ने आगंतुकों और शिकायतकर्ताओं के साथ शिष्टाचारपूर्ण संवाद, धैर्य और संवेदनशील व्यवहार पर विशेष जोर दिया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ गाजियाबाद केमिस्टों की हड़ताल, जनस्वास्थ्य सुरक्षा की मांग तेज

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री, फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन और बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श के घर-घर दवा वितरण के विरोध में बुधवार को गाजियाबाद के दवा व्यापारियों ने एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल कर अपनी सभी दवा दुकानों को बंद रखा। व्यापारियों ने इसे जनस्वास्थ्य और छोटे दवा कारोबारियों के हितों से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

यह आंदोलन All India Organisation of Chemists and Druggists तथा Organisation of Chemist and Druggist Uttar Pradesh के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें गाजियाबाद केमिस्ट एसोसिएशन के नेतृत्व में जिले भर के दवा विक्रेताओं ने हिस्सा लिया।

दवा व्यापारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से पीएम नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि इंटरनेट प्लेटफॉर्मों के जरिए बिना स्पष्ट वैधानिक व्यवस्था के दवाओं की बिक्री की जा रही है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन और बिना डॉक्टर की वैध सलाह के दवा वितरण से मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी छूट के कारण छोटे और लाइसेंसधारी केमिस्टों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री को लेकर स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद यह कारोबार तेजी से बढ़ रहा है।

केमिस्ट संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री, बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन दवा वितरण और अनियंत्रित होम डिलीवरी पर जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। व्यापारियों ने मांग की कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगे, दोषी प्लेटफॉर्मों पर सख्त कार्रवाई हो तथा छोटे और लाइसेंसधारी दवा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट नीति बनाई जाए।

हीट वेव और संचारी रोगों से बचाव को लेकर छात्राओं को किया जागरूक, कन्या वैदिक इंटर कॉलेज में चला अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद में हीट वेव और संचारी रोगों से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम कन्या वैदिक इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को गर्मी के मौसम में सावधानी बरतने और संचारी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी जी.के. मिश्रा ने हीट वेव से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचने और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने की अपील की। वहीं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु वर्मा ने संचारी रोगों से बचाव के लिए स्वच्छता, मच्छरों से सुरक्षा और जागरूकता पर जोर दिया। इस अवसर पर कन्या वैदिक इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य महिमा कटियार, सहायक मलेरिया अधिकारी नरेन्द्र कुमार सहित अन्य अध्यापिकाएं और छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देकर जागरूक बनाना रहा।

आरटीई दाखिलों पर फूटा अभिभावकों का गुस्सा, समाधान न हुआ तो मुख्यमंत्री दरबार लखनऊ कूच करेंगे पीड़ित परिवार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत चयनित बच्चों के दाखिले में हो रही देरी और निजी स्कूलों की कथित मनमानी के खिलाफ अभिभावकों का आक्रोश खुलकर सामने आया। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन (जीपीए) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि आरटीई अधिनियम-2009 के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा का अधिकार देने की व्यवस्था होने के बावजूद निजी स्कूल दाखिले में टालमटोल कर रहे हैं। वहीं शिक्षा विभाग की लापरवाही और धीमी कार्यप्रणाली के कारण हर साल बच्चों को अपने मौलिक अधिकार से वंचित होना पड़ रहा है। सीडीओ ने अभिभावकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल बीएसए से फोन पर वार्ता की और शाम चार बजे उन्हें तलब करने की बात कही। इस दौरान जीपीए कोषाध्यक्ष कौशलेंद्र सिंह और आरटीई प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हर वर्ष आरटीई दाखिलों को सुनिश्चित कराने के लिए अभिभावकों को लंबा संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद कई बच्चों का प्रवेश नहीं हो पाता। अभिभावकों ने लाइनपार क्षेत्र के कुछ निजी विद्यालयों पर आरटीई चयनित बच्चों का दाखिला न लेने के आरोप लगाए। इनमें डीएवी स्कूल प्रताप विहार, गौतम पब्लिक स्कूल विजय नगर, जेकेजी विजयनगर और चिल्ड्रन्स एकेडमी विजय नगर प्रमुख रूप से शामिल हैं। जीपीए सचिव अनिल सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वर्तमान सत्र में चयनित बच्चों का दाखिला सुनिश्चित नहीं हुआ तो संगठन के नेतृत्व में पीड़ित अभिभावक बसों से लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री दरबार में गुहार लगाएंगे। उन्होंने कहा कि हर साल आरटीई व्यवस्था की यही स्थिति बनी रहती है और अब अभिभावक इसे बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। जीपीए पदाधिकारी नरेश कुमार कीर ने भी शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि पोर्टल की तकनीकी खामियों और आवेदन प्रक्रिया में देरी के कारण इस बार अपेक्षा से कम आवेदन हुए हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ निजी स्कूल अनावश्यक दस्तावेज मांगकर अभिभावकों को परेशान कर रहे हैं। इस अवसर पर राजू सैफी, कौशल ठाकुर, साहिल, धर्मेंद्र यादव, कौशलेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के साथ मौजूद रहे।

वर्कशॉप में भीषण आग से मची अफरा-तफरी, फायर सर्विस ने तीन गाड़ियां बचाकर टाला बड़ा हादसा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। रैपिड मेट्रो स्टेशन के पास न्यू बस स्टैंड हिंडन धर्म कांटा क्षेत्र स्थित एक वाहन वर्कशॉप में बुधवार सुबह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 मई 2026 को सुबह करीब 5 बजे सूचना मिली कि मेरठ रोड स्थित धर्म कांटा के पास न्यू ऑटो लाइफ मोटर्स वर्कशॉप में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी दो फायर टैंकर और एक वाटर ब्राउजर के साथ तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए।

मौके पर पहुंचकर फायर कर्मियों ने देखा कि वर्कशॉप में आग तेजी से फैल रही थी। अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में तत्काल दो हौज पाइप लाइन बिछाकर पंपिंग के माध्यम से आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। बताया गया कि आग लगने के समय वर्कशॉप के अंदर कुल छह वाहन मौजूद थे। फायर सर्विस यूनिट ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन वाहनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया तथा आग को आसपास के क्षेत्र में फैलने से भी रोक दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस टीम के साथ वर्कशॉप मालिक मोहम्मद आरिफ उर्फ कल्लू मिस्त्री पुत्र मोहम्मद साबिर भी मौजूद रहे। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस एवं संबंधित विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हैं।

18 संपत्तियों की नीलामी से जीडीए को मिलेगा 155 करोड़ का खजाना, विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा बुधवार को हिन्दी भवन, लोहिया नगर में आयोजित नीलामी प्रक्रिया में विभिन्न योजनाओं के आवासीय, व्यावसायिक, ग्रुप हाउसिंग, नर्सिंग होम, दुकान, कन्वीनियेंट शॉपिंग और अन्य भूखंडों की सफल नीलामी की गई। नीलामी से प्राधिकरण को लगभग 155.15 करोड़ रुपये की संभावित आय प्राप्त होने का अनुमान है। प्राधिकरण के अनुसार कुल 18 संपत्तियों की नीलामी की गई। इनमें कोयल एन्क्लेव योजना के दो ग्रुप हाउसिंग भूखंडों से सर्वाधिक 110.26 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई। वहीं कौशांबी योजना पॉकेट-ए के आवासीय भूखंड से 11.46 करोड़, वैशाली सेक्टर-3 के नर्सिंग होम भूखंड से 12.88 करोड़, इंदिरापुरम न्यायखंड-3 के कन्वीनियेंट शॉपिंग भूखंड से 36 लाख रुपये, ज्ञानखंड-3 के छह दुकान भूखंडों से 6.52 करोड़ रुपये की आय हुई। इसके अलावा प्रताप विहार योजना के डिस्पेंसरी भूखंड, इंद्रप्रस्थ योजना पॉकेट-एच के व्यावसायिक भूखंड, अंबेडकर रोड डिस्ट्रिक्ट सेंटर योजना तथा संजय नगर सेक्टर-23 की रिक्त भूमि की भी नीलामी की गई।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप संपन्न हुई। नीलामी से प्राप्त राशि का उपयोग विकास परियोजनाओं, आधारभूत संरचना निर्माण और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने में किया जाएगा।